जम्मू लद्दाख विज़न

आर एन आई नंबर: जेकेएचआईएन/2019/78824 | पोस्टल नंबर : एल-29/जेके.579/24-26

साप्ताहिक | वर्ष : 7 | जम्मू | अंक : 16 | सोमवार अप्रैल 21, 2025 | मूल्य : 3 रूपए | पेज : 16

यमुना मैया की जय... जीत के बाद बीजेपी दतर से बोले पीएम मोदी– दिल्ली अब आपदा मुक्त
पेज 6...

उपराज्यपाल ने नई दिल्ली में नेशनल बुक ट्रस्ट के विष्व पुस्तक मेले का दौरा किया
पेज 12...

सतीश शर्मा ने अंतर-स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट के उद्घाटन की घोषणा की
पेज 14...

जेके एलजी ने नार्को सौदों में क्रिप्टोकरेंसी के इस्तेमाल पर चिंता जताई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

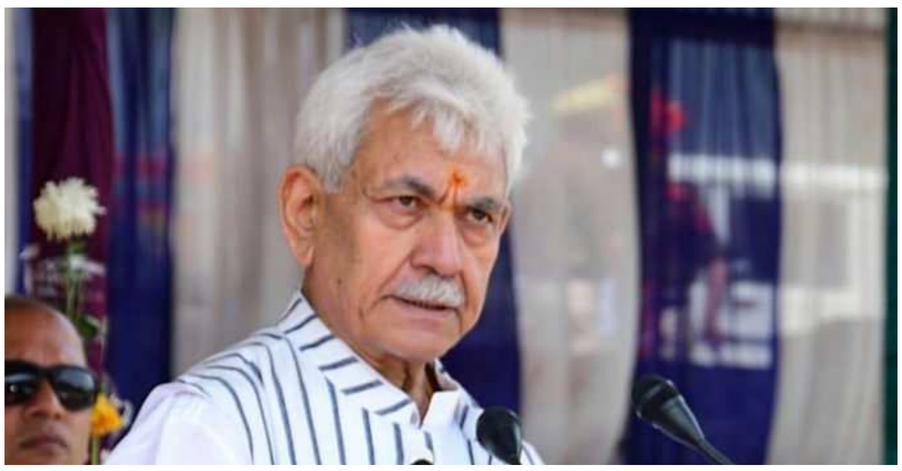

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल नार्को डीलिंग में किया जा रहा है क्योंकि डार्क वेब ड्रग व्यापार के लिए नए बाज़ार के रूप में उभर रहा है।

मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के मणिगाम में पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में पासिंग आउट परेड में बोलते हुए, सिन्हा ने कहा कि तकनीक बहुत तेज़ गति से बदल रही है और प्रशिक्षण स्कूलों के बाहर नई तकनीक का उपयोग और दुश्मनों द्वारा दी जाने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल का उन्नयन समय की मांग है।

"ड्रग तस्करी का खतरा अब पारंपरिक नहीं रहा है। तस्कर और नार्को–आतंकवादी हर दिन अपने संचार के तरीके बदल रहे हैं। डार्क वेब ड्रग व्यापार के लिए नए बाज़ार के रूप में उभर रहा है और पारंपरिक लेनदेन के स्थान पर क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग किया जा रहा है, "सिन्हा ने कहा। एलजी ने कहा कि नई तकनीकों के दुरुपयोग ने संगठित अपराध का विस्तार किया है उन्होंने कहा, ष्ऐसी स्थिति में आपको अपराधियों से एक कदम आगे रहने के लिए निरंतर नवाचार की नीति को लागू करना होगा। मुझे उम्मीद है कि जेके पुलिस बल इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए समर्पित और तैयार है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जेके प्रशासन और केंद्र सरकार पूरी ताकत के साथ सुरक्षा बलों के साथ खड़ी है। कश्मीर में आतंकी घटनाओं पर काफी हद तक लगाम लगाने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए सिन्हा ने कहा कि जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की कोशिश की जा रही है। षपिछले कुछ वर्षों में, जेके पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा बलों ने कश्मीर घाटी में आतंकवाद को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता हासिल की है।

जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की कोशिश की जा रही है, जो तुलनात्मक रूप से शांतिपूर्ण था। मुझे जेके पुलिस पर भरोसा है। यह जेके पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों का सामूहिक संकल्प है कि जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों को आतंक मुक्त बनाया जाए।ष एलजी ने कहा कि उन्हें यकीन है कि जिस तरह से सुरक्षा बलों ने कश्मीर घाटी में आतंकी घटनाओं पर लगाम लगाने में सफलता हासिल की है, ष्आप जम्मू में भी वही संकल्प दोहराएंगे।

उन्होंने कहा, सभी एजेंसियों को एक मजबूत टीम के रूप में एकजुट होकर पड़ोसी देश की साजिश को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लेना होगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि जम्मू–कश्मीर पुलिस को भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल बनाना होगा जो तकनीकी रूप से सुसज्जित हो और आतंकवाद और अपराध की

■ शेष पेज 2...

ईपीएफओ में बड़े पैमाने पर डिजिटल बदलाव, नया आईटी प्लेटफॉर्म मई–जून में शुरू होगा : मंडाविया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

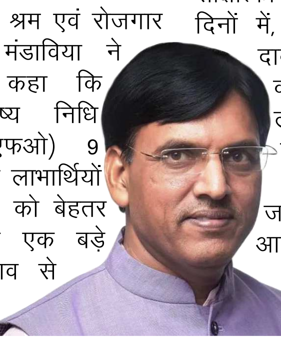

रांची : केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) 9 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के लिए सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक बड़े डिजिटल बदलाव से गुजरने वाला है, जिसका संस्करण 3.0 मई या जून तक लॉन्च होने वाला है। मंडाविया ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि आने वाले दिनों में, नए संस्करण 3.0 पर दावों के तेजी से प्रसंस्करण के कारण ईपीएफओ लाभार्थी एटीएम से धन निकाल सकेंगे।

उन्होंने कहा, ईपीएफओ जल्द ही एक मजबूत आईटी प्लेटफॉर्म की मदद से वर्जन 3.0 को लागू करेगा, ताकि ऑटो–क्लेम सेटलमेंट, डिजिटल करेक्शन और

■ शेष पेज 2...

डॉ. जितेंद्र की अभूतपूर्व घोषणा, भारतीय अंतरिक्ष यात्री के साथ अंतरराष्ट्रीय मिशन अगले महीने निर्धारित

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारत अपनी अंतरिक्ष यात्रा में एक निर्णायक अध्याय लिखने के लिए तैयार है, क्योंकि भारतीय अंतरिक्ष यात्री को ले जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन अगले महीने निर्धारित किया गया है।

आने वाले महीनों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की प्रमुख भविष्य की योजनाओं की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह अभूतपूर्व घोषणा करते हुए, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान और पीएमओ, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, मिशन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की पहली भारतीय यात्रा को चिह्नित करेगा और राकेश शर्मा की सोवियत सोयुज अंतरिक्ष यान पर 1984 की

■ शेष पेज 2...

मैंने यह नहीं लिखा कि फारूक ने अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन किया : दुलत

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : अपनी नई किताब श्द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाईश को लेकर उठे विवाद के बीच रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख अमरजीत सिंह दुल्लत ने गुरुवार को उन दावों को खारिज कर दिया कि जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेता इस कदम से बहुत दुखी थे और केंद्र ने उन्हें कभी विश्वास में नहीं लिया।

श्री दुलत एक पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्होंने इंटेलिजेंस ब्यूरो और रॉ दोनों में काम किया है और उन्हें कश्मीर में काम करने का लंबा अनुभव है। समाचार एजेंसी से बात करते हुए कि क्या उनकी और श्री अब्दुल्ला की दोस्ती पर असर पड़ा है,

■ शेष पेज 2...

सियाचिन ग्लेशियर में 'कपिध्वज' की तैनात, भारतीय सेना की ताकत में होगा इजाफा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारतीय सेना लगातार अपनी ताकत में इजाफा कर रही है. आधुनिक हथियारों के साथ ही वाहना. की भी लग्जरी बनाया जा रहा है. इसी कड़ी में सेना ने सियाचिन ग्लेशियर जैसी दुर्गम और बर्फ से ढकी जगहों पर अपनी ताकत में इजाफा करने के लिए एक खास वाहन को शामिल किया गया है. इस वाहन का नाम 'कपिध्वज' है, जो सेना के लिए बेहद जरूरी बताया

■ शेष पेज 2...

शेष पेज १ से.....

जेके एलजी ने...

उभरती चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो। उन्होंने कहा, जेके पुलिस देश के अन्य बलों से बहुत अलग है क्योंकि इसकी जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। एक तरफ, हमारे बहादुर सैनिक आतंकवाद का सामना करते हैं, तो दूसरी तरफ, उन पर कानून और व्यवस्था बनाए रखने और जेके में विकास के लिए अनुक. ूल माहौल बनाने में मदद करने की जिम्मेदारी है। सिन्हा ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जम्मू–कश्मीर पुलिस ने वास्तविक समय में खुफिया जानकारी साझा करने और त्वरित प्रतिक्रिया देने में सराहनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, ष्मुझे उम्मीद है कि विशेष रणनीति, उन्नत तकनीक और विशिष्ट खुफिया जानकारी का संयोजन आतंकवाद और उसके पूरे समर्थन तंत्र के ताबूत में आखिरी कील ठोक देगा। भविष्य में आतंकवाद विरोधी अभियानों और कानून–व्यवस्था मिशनों की सफलता तकनीक के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करेगी।ऽ

ईपीएफओ में बड़े...

एटीएम–आधारित फंड निकासी सहित सहज और सरलीकृत सेवाएं प्रदान की जा सकें। इस बदलाव का उद्देश्य ईपीएफओ को सुलभ और कुशल बनाना है।

मंडाविया के अनुसार, नया संस्करण जटिल और लंबी फॉर्म भरने की प्रक्रिया या दावों और सुधारों के लिए भौतिक यात्राओं की आवश्यकता को समाप्त कर देगा। लाभार्थी ओटीपी सत्यापन का उपयोग करके अपने ईपीएफओ खातों और जनादेशों को अपडेट करने और अपनी पेंशन पात्रता की आसानी से निगरानी करने या धन निकालने में सक्षम होंगे।

उन्होंने कहा कि दावों के तेजी से निपटान के कारण, ग्राहक के बैंक खाते में धनराशि जल्दी उपलब्ध हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि ईपीएफओ के पास वर्तमान में सॉवरेन गारंटी के साथ 27 लाख करोड़ रुपये का कोष है और यह 8.25 प्रतिशत ब्याज देता है।

पहले से ही लागू केंद्रीयकृत पेंशन भुगतान प्रणाली से 78 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को लाभ मिलता है, क्योंकि इससे उन्हें देश भर में किसी भी बैंक खाते में पेंशन प्राप्त करने की अनुमति मिलती है, जिससे नामित क्षेत्रीय बैंकों में खाते रखने की पहले की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

मंत्री ने कहा कि सरकार अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना और श्रमिक जन धन योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के एकीकरण पर भी विचार कर रही है, ताकि पेंशन कवरेज को सुव्यवस्थित और मजबूत किया जा सके। श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए, मंडाविया ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम के तहत लाभार्थी जल्द ही आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा उपचार प्राप्त कर सकेंगे।

इसके अलावा, सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने के लिए नामित चौरिटी–संचालित निजी अस्पतालों को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। वर्तमान में, ईएसआईसी 165 अस्पतालों, 1,500 से अधिक औषधालयों और लगभग 2,000 सूचीबद्ध अस्पतालों के माध्यम से लगभग 18 करोड़ लोगों को मुफ्त उपचार प्रदान करता है।

मंडाविया ने कहा कि ईपीएफओ ने संस्करण 2.01 के रोलआउट के बाद अपनी शिकायत निवारण प्रणाली में काफी सुधार किया है, जिससे शिकायतों की संख्या आधी से भी कम हो गई है। ईपीएफओ 3.0 की शुरुआत के साथ, संगठन का लक्ष्य पहुंच और दक्षता में और सुधार करना है।

2024–25 में, ईपीएफओ ने नियोक्ताओं द्वारा दायर 1.25 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक चालान सह रिटर्न (ईसीआर) के माध्यम से 3.41 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान एकत्र किया।

मंत्री ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, कहा कि उनकी वर्तमान संख्या एक करोड़ से अधिक है और अगले पांच वर्षों में दोगुनी होने की उम्मीद है।

इस पहल के हिस्से के रूप में, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 15 अप्रैल को खाद्य वितरण मंच स्विगी के साथ राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल के साथ गिग और लॉजिस्टिक्स रोजगार के अवसरों को एकीकृत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस साझेदारी का लक्ष्य अगले दो से तीन वर्षों में 12 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना है।

स्विगी एनसीएस पोर्टल पर अपनी डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और सपोर्ट भूमिकाओं को सूचीबद्ध करेगी, जिससे अधिक श्रमिकों को रोजगार के अवसरों तक पहुँचने में मदद मिलेगी।

मंडाविया ने श्रमिक कल्याण के प्रति अपनी व्यापक प्रतिबद्धता के तहत विभिन्न श्रम कानूनों और खान सुरक्षा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने पर सरकार के ध्यान पर जोर दिया।

मंत्री ने यह कहते हुए समापन किया कि ईपीएफओ – दुनिया के सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा संगठनों में से एक – सदस्यों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और नियोक्ताओं के लिए व्यापार करने में आसानी में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. जितेंद्र की ...

प्रतिष्ठित उड़ान के बाद चार दशकों में अंतरिक्ष की यात्रा करने वाला पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री होगा। यह घोषणा भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में गतिविधि की हड़बड़ी के बीच हुई है, जो आने वाले महीनों में मिशनों की एक महत्वाकांक्षी स्लेट के लिए तैयार हो रही है। अंतरिक्ष विभाग के सचिव और इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने विभिन्न आगामी अंतरिक्ष मिशनों की स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए एक प्रस्तुति दी। इसरो के चेयरमैन ने बताया कि भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अगले महीने एक्सिओम स्पेस के एक्स–4 मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मई 2025 के लिए निर्धारित ग्रुप कैप्टन शुक्ला का मिशन भारत के बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग में एक मील का पत्थर है। भारतीय वायुसेना के एक सम्मानित परीक्षण पायलट, उन्हें इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के तहत चुना गया था और वे भारत की पहली स्वदेशी चालक दल की कक्षीय उड़ान, गगनयान मिशन के शीर्ष दावेदारों में से एक हैं। एक्स–4 मिशन पर उनकी यात्रा से अंतरिक्ष उड़ान संच. ालन, लॉन्च प्रोटोकॉल, माइक्रोग्रैविटी अनुकूलन और आपातक. ालीन तैयारियों में महत्वपूर्ण व्यावहारिक अनुभव मिलने की उम्मीद है – जो भारत की चालक दल की महत्वाकांक्षाओं के लिए आवश्यक हैं। शुक्ला के मिशन को जो चीज अलग बनाती है, वह है इसका रणनीतिक महत्व। भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान के प्रतीकात्मक अर्थों के विपरीत, इस बार फोकस परिचालन तत्परता और वैश्विक एकीकरण पर है। उनकी भागीदारी अंतरिक्ष में सार्वजनिक–निजी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी और मानव अंतरिक्ष अन्वेषण में एक गंभीर दावेदार के रूप में उभरने के उसके संकल्प को रेखांकित करती है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान और महत्वपूर्ण इसरो मिशनों की श्रृंखला के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, ष्भारत अपने अगले अंतरिक्ष मील के पत्थर के लिए तैयार है।ऽ उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग और गगनयान जैसी परियोजनाओं की रणनीतिक गति अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता बनने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि ये प्रयास न केवल वैज्ञानिक प्रकृति के हैं बल्कि एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप भी हैं।

बैठक के दौरान, इसरो ने जनवरी 2025 से अब तक की कई प्रमुख घटनाओं पर डॉ. जितेंद्र सिंह को अपडेट किया। इनमें आदित्य एल1 सौर मिशन के डेटा को सार्वजनिक करना, डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीकों का सफल प्रदर्शन, भारत में विकसित सबसे अधिक थ्रस्ट वाले लिक्विड इंजन का परीक्षण और श्रीहरिकोटा से ऐतिहासिक 100वां प्रक्षेपण (जीएसएलवी–एफ15) ष्शामिल हैं। इसरो ने उपग्रह आधारित निगरानी के माध्यम से कुंभ मेला 2025 जैसे राष्ट्रीय आयोजनों का भी समर्थन किया और भविष्य के प्रक्षेपण यान रिकवरी मिशनों के लिए महत्वपूर्ण विकास इंजन को फिर से शुरू करने के सफल प्रदर्शन की घोषणा की। मई से जुलाई 2025 के लिए तैयार प्रमुख मिशनों में से, इसरो अत्याधुनिक ईओएस–09 उपग्रह ले जाने वाले पीएसएलवी–सी61 मिशन को लॉन्च करेगा। एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर टेस्ट व्हीकल–डी2 (टीवी–डी2) मिशन होगा, जिसे एक निरस्त परिदृश्य का अनुकरण करने और गगनयान क्रू एस्केप सिस्टम का प्रदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस मिशन में क्रू मॉड्यूल के लिए समुद्री पुनर्प्राप्ति संचालन शामिल है, जो भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान के लिए नियोजित प्रक्रियाओं की नकल करता है। जून में जीएसएलवी–एफ 16 पर निसार उपग्रह का बहुप्रतीक्षित प्रक्षेपण होगा। नासा–इसरो के इस सहयोग का उद्देश्य दोहरी आवृत्ति वाले रडार डेटा के माध्यम से पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक खतरों का अध्ययन करना है, जो नासा के एल–बैंड पेलोड को इसरो के ‘–बैंड योगदान के साथ जोड़ता है। जुलाई के लिए निर्धारित एलवीएम3–एम5 मिशन, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के वाणिज्यिक कार्यक्रम के तहत ब्लूबर्ड ब्लॉक–2 उपग्रहों को लॉन्च करने वाले एएसटी स्पेसमोबाइल इंक., यूएसए के साथ एक वाणिज्यिक अनुबंध को पूरा करेगा। जैसे–जैसे भारत की अंतरिक्ष रणनीति परिपक्व होती जा रही है, ग्रुप कैप्टन शुक्ला का आगामी मिशन एक आत्मविश्वासी, दूरदर्शी राष्ट्र के प्रतीक के रूप में खड़ा है जो वैश्विक अंतरिक्ष दौड़ में अपना स्थान पुनः प्राप्त करने के लिए तैयार है। उनकी यात्रा महज एक उड़ान नहीं है – यह एक संकेत है कि भारत अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रख रहा है।

मैंने यह नहीं...

श्री दुलत ने ज़ोर देकर कहा, ष्किसी के कुछ तुच्छ कहने से दोस्ती ख़त्म नहीं हो जाती। यह किताब अनुच्छेद 370 के बारे में नहीं है; बल्कि, यह महान व्यक्ति फ़ारूक़ अब्दुल्ला की प्रशंसा है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह कल पुस्तक विमोचन में अवश्य शामिल होंगे। यदि वह नहीं आते हैं, तो यह उनका अपना निर्णय होगा, लेकिन मैंने उनसे लगभग 10–15 दिन पहले बात की थी, और उन्होंने कहा था कि वह आएंगे,ऽ श्री दुलत ने कहा।

पूर्व रॉ प्रमुख ने याद किया कि जब अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था, तो "डॉ साहब" (फारूक अब्दुल्ला) उनके साथ जो हुआ उससे बहुत दुखी थे।

ष्यह सर्वविदित है कि फारूक साहब ने कई बार कहा है कि वह दिल्ली के साथ खड़े हैं और हमेशा खड़े रहे हैं – लेकिन यह दिल्ली ही है जो डॉ. साहब को समझ नहीं पाई है। दोष फारूक का नहीं है, दोष दिल्ली का है कि वह उन्हें समझने में विफल रही,ऽ श्री दुलत ने कहा।

इसके अलावा, जब उनसे पूछा गया कि क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख के अनुच्छेद 370 को हटाने के दावे सही हैं, तो श्री दुलत ने कहा कि श्री अब्दुल्ला ने कभी उनका समर्थन नहीं किया।

उन्होंने कहा, ष्अनुच्छेद 370 हटाए जाने की घोषणा से दो दिन पहले डॉ. साहब, उमर अब्दुल्ला और उनके एक सांसद ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। मुझे नहीं पता कि वहां क्या चर्चा हुई। मैंने उनसे पूछा भी, लेकिन मुझे कुछ नहीं बताया गया। इसके बाद फारूक साहब ने मुझसे कहा था कि अगर सरकार ऐसा करना चाहती है तो उन्हें हमें विश्वास में लेना चाहिए था। लेकिन इसके बजाय हमें नजरबंद कर दिया गया। उन्होंने कभी भी अनुच्छेद 370 हटाए जाने का समर्थन नहीं किया है।ऽ

श्री दुलत ने कहा, ष्मैंने किताब में कहीं भी नहीं लिखा है कि फारूक ने अनुच्छेद 370 का समर्थन किया है। यह बकवास है और सिर्फ़ मीडिया का हथकंडा है। किसी ने भी अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन नहीं किया, लेकिन इसे हटाने का तरीका अलग हो सकता था – संवाद के ज़रिए।ऽ

पूर्व रॉ प्रमुख ने कहा कि उनकी पुस्तक फारूक अब्दुल्ला की सराहना है, आलोचना नहीं।

उन्होंने कहा, ष्अगर कोई कह रहा है कि मैंने अपनी किताब बेचने के लिए घटिया हरकत की है, तो यह ठीक है। मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए श्री दुलत ने कहा, "कश्मीर में कोई भी नेता फारूक साहब के आधे कद का भी नहीं है और न ही उनसे बड़ा कोई राष्ट्रवादी है।"

पूर्व रॉ प्रमुख ने कहा, ष्नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा बनाई गई यह सरकार कश्मीर के लिए इससे अधिक सकारात्मक नहीं हो सकती। और यह भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई। केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस ही कश्मीर को आगे ले जा सकती है। यह वह परिवार है जो इसे आगे ले जाएगा। अन्य दलों को भी इसमें भूमिका निभानी होगी।

सियाचिन ग्लेशियर...

जा रहा है.

'कपिध्वज' वाहन एक खास किस्म का मोबिलिटी वाहन है, जिसे कठिन इलाकों में सेना की आवाजाही, लॉजिस्टिक सपोर्ट और ऑपरेशन में मदद के लिए बनाया गया है. यह वाहन एटीओआर एन 1200 है. सबसे बड़ी बात यह सिर्फ एक मशीन नहीं है, बल्कि भारत की ताकत और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है. हाल ही में सेना ने सियाचिन के खतरनाक और ऊंचे इलाके में 'कपिध्वज' की मदद से एक घायल सैनिक को जल्दी से निकाला. इस अभियान में यह साबित हो गया कि यह वाहन मुश्किल हालात में भी शानदार काम करता है. 'कपिध्वज' भारत में ही बना है और यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और बड़ा कदम है. इसके आने से सेना को ग्लेशियर और ऊंचे पहाड़ी इलाकों में राहत और बचाव कार्य करने में काफी मदद मिलेगी.

राजौरी में प्रोफेसर से कथित मारपीट, सेना ने जांच के आदेश दिए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

राजौरी/जम्मू : सेना ने शुक्रवार को एक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर द्वारा जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले के एक गांव में वाहनों की जांच के दौरान सैनिकों पर हमला करने का आरा. `प लगाने के बाद जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने कहा। प्रोफेसर लियाकत अली को गुरुवार देर रात सीमावर्ती गांव लाम के पास कथित हमले में सिर में चोटें आईं और खून से लथपथ प्रोफेसर को दिखाने वाला एक कथित वीडियो ऑनलाइन सामने आया।

"एक घटना सामने आई है जिसमें राजौरी जिले में सेना के जवानों द्वारा कुछ व्यक्तियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। सेना को इस संवेदनशील क्षेत्र में एक वाहन में आतंकवादियों की संभावित आवाजाही की सूचना मिली थी। तदनुसार, तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। "प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि रोके जाने पर, व्यक्ति ने ड्यूटी पर मौजूद सैनिकों के हथियार छीनने की कोशिश की और उनके साथ हाथापाई शुरू कर दी।

जेकेसीएलयूएफ ने सत शर्मा को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों के समाधान के लिए मदद मांगी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जम्मू-कश्मीर कैजुअल लेबर यूनाइटेड फ्रंट (जेक. सीएलयूएफ) के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपने अध्यक्ष तनवीर हुसैन के नेतृत्व में वरिष्ठ सत शर्मा सीए, जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष से मुलाकात की और केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत कैजुअल मजदूरों की शिकायतों और लंबे समय से चली आ रही मांगों का ब्यौरा देते हुए एक ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर रामनगर के विधायक सुनील भारद्वाज और भाजपा प्रवक्ता एडवोकेट अंकुर शर्मा भी मौजूद थे।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में प्रदीप शर्मा, दविंदर सिंह, बसु देव, विनोद कुमार और राकेश कुमार शामिल थे।

भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने हजारों कैजुअल और दिहाड़ी मजदूरों को प्रभावित करने वाले कई मुद्दा. पर प्रकाश डाला, जो वर्षों से न्याय और मान्यता का इंतजार कर रहे हैं। ज्ञापन में शामिल प्राथमिक मांगों में न्यूनतम वेतन तय करना, दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करना, सभी विभागों में छूटे हुए कैजुअल कर्मचारियों का ऑनलाइन पंजीकरण और सेवा के दौरान मृत्यु के मामलों में मुआवजे का प्रावधान शामिल था। प्रतिनिधिमंडल ने सरकारी विभागों द्वारा बिना उचित मुआवजे के भूमि अधिग्रहण का मुद्दा भी उठाया, जिससे कई परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। अध्यक्ष तनवीर हुसैन ने दिहाड़ी मजदूरों की दुर्दशा को दूर करने के लिए सुव्यवस्थित और एकीकृत तंत्र की कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई श्रमिकों द्वारा वर्षों तक समर्पित सेवा के बावजूद, उनके योगदान को मान्यता नहीं मिली है और वे अनिश्चित परिस्थितियों में काम करना जारी रखते हैं। सत शर्मा सीए ने प्रतिनिधिमंडल को भाजपा के पूर्ण समर्थन और उनकी शिकायतों को दूर करने की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। उन्होंने सरकारी सेवाओं और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कामकाज में दिहाड़ी मजदूरों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्षों से सिस्टम में योगदान देने के बावजूद, ये मेहनती व्यक्ति अभी भी अपने मूल अधिकारा. के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

सत शर्मा ने संबंधित अधिक. ारियों के साथ मामले को उठाने और यह सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया कि इन मुद्दों का समाधान किया जाए।

उन्होंने ऑनलाइन पंजीकरण की मांग का भी स्वागत किया और कहा कि डिजिटलीकरण सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही ला सकता है, जिससे श्रमिकों और उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले विभागों दोनों को लाभ होगा।

प्रतिनिधिमंडल ने सत शर्मा सी.ए. को उनके समय और समझ के लिए धन्यवाद दिया तथा आशा व्यक्त की कि उनके लम्बे समय से लम्बित मुद्दोंपर अंततः वह ध्यान दिया जाएगा जिसके वे हकदार हैं।

इमरान हाशमी ने श्रीनगर में ग्राउंड जीरो के प्रीमियर को प्रतीकात्मक क्षण बताया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : अभिनेता इमरान हाशमी, जिनकी अभिनीत फिल्म "ग्राउंड जीरो" 38 वर्षों में श्रीनगर में रेड कार्पेट प्रीमियर होने वाली पहली फिल्म बनकर इतिहास बनाने के लिए तैयार है, का कहना है कि यह एक "महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक क्षण" है। हाशमी प्रीमियर से पहले जम्मू और कश्मीर शहर पहुंचे, जहां उन्होंने संवाददाताओं से बात की। "हम अपनी फिल्म ग्राउंड जीरो के लिए लगभग 30 दिनों से शूटिंग कर रहे थे। मुझे श्रीनगर वापस आकर खुशी हो रही है। यह बहुत अच्छा लगता है। यहां का मौसम अच्छा है, यह मुंबई से बेहतर है," हाशमी ने कहा। "यह यहां के लोगों के लिए, इस क्षेत्र के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक क्षण है। यहां के लोग बहुत अच्छे और प्रतिभाशाली हैं, लेकिन उन्हें किसी भी स्ट्रीम में अपनी रचनात्मकता का पता लगाने के लिए फिल्मों और टेलीविजन में एक माध्यम की जरूरत है।"

देश में कांग्रेस का युग समाप्त हो चुका है; भाजपा भारत को विकसित भारत की ओर ले जा रही है : कविंदर

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता ने आज कहा कि भारत में कांग्रेस का युग समाप्त हो चुका है, क्योंकि लोगों ने उसकी पुरानी राजनीति को पूरी तरह से नकार दिया है। जम्मू में पार्टी मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मीडियाकर्मियों को संबो. धित करते हुए कविंदर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, जो कभी देश के राजनीतिक परिदृश्य में केंद्रीय स्थान रखती थी, अब आंतरिक कलह, दूरदर्शिता की कमी और घटते हुए सार्वजनिक विश्वास के कारण ढहती हुई इकाई बन गई है।

कविंदर ने हाल ही में नियुक्त एआईसीसी महासचिव और जम्मू-कश्मीर के प्रभारी द्वारा दिए गए बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने भाजपा पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया था। उन्होंने इन आरोपों को एक ऐसी पार्टी द्वारा प्रासंगिक बने रहने के लिए किए जा रहे हताश प्रयास करार दिया, जिसने अपनी राजनीतिक पकड़ खो दी है। उन्होंने कहा, ष्यह विडंबनापूर्ण और हास्यास्पद दोनों है कि आंत. रिक गुटबाजी और नेतृत्व संबंधी भ्रम में उलझी एक पार्टी दूसरों को लोकतांत्रिक मूल्यों पर उपदेश देने का प्रयास कर रही है।ष् उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कांग्रेस को अपनी बार-बार की चुनावी विफलताओं पर आत्मचिंतन करना चाहिए और लोगों के साथ अपने बढ़ते अलगाव को स्वीकार करना चाहिए।

कविंदर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने पारदर्शिता, जवाबदेही और तेज गति से विकास के युग की शुरुआत की है। उन्होंने कहा, ष्कांग्रेस के विप. रीत, जो वंशवादी राजनीति और तुष्टिकरण पर फली-फूली, भाजपा आम नागरिक को सशक्त बनाने और सुशासन देने पर केंद्रित है। हमारी प्रतिबद्धता राष्ट्र निर्माण के प्रति है, न कि राजनीतिक हिसाब-किताब निपटाने के प्रति।ष् वरिष्ठ भाजपा नेता ने जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने में पार्टी की पहलों को भी रेखांकित किया, खासकर जम्मू-कश्मीर में। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में पंचायत और डीडीसी चुनाव सफलतापूर्वक हुए, जिन्हें लंबे समय से कांग्रेस शासन द्वारा उपेक्षित किया गया था। उन्होंने कहा, ष्यह भाजपा ही थी जिसने जम्मू-कश्मीर के लोगों को मुख्यधारा की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लाया और उन्हें शासन में आवाज दी।

कविंदर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के लोग अधिकार की राजनीति से आगे बढ़ चुके हैं और अब प्रगति, अवसर और निर्णायक नेतृत्व की आकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा, ष्भाजपा भारत की नई आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

कांग्रेस का युग समाप्त हो चुका है और भविष्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत, आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र का है।

युद्धवीर, आदर्श ने वार्ड नंबर 5 के सरकारी स्कूल में खाद्य सामग्री, शैक्षणिक सामग्री वितरित की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

वार्ड नंबर 5 के एक सरकारी स्कूल में बच्चों को कॉपी और पेंसिल सहित खाद्य सामग्री और शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। जम्मू-कश्मीर भाजपा के उपाध्यक्ष और जम्मू पूर्व विधायक युद्धवीर सेठी जम्मू पूर्व मंडल अध्यक्ष आदर्श जठियार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मौजूद थे।

युद्धवीर सेठी ने कहा कि भाजपा भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर पखवाड़ा मना रही है। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान, भाजपा कार्यकर्ता डॉ. बीआर अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने के लिए विभिन्न सेवा-उन्मुख गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। सामा. जिक जिम्मेदारी और सामुदायिक जुड़ाव की भावना का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने स्वच्छता अभियान आयोजित किए, वंचितों को भोजन और आवश्यक वस्तुएं वितरित कीं और जनता के बीच जमीनी स्तर पर इसी तरह की अन्य गतिविधियों की मेजबानी की। कई स्वयंसेवकों ने शैक्षणिक आउटरीच कार्यक्रमों में भी भाग लिया, जिसमें अंबेडकर के समानता, न्याय और सामाजिक सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के बारे में जागरूकता फैलाई गई। सेठी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सकारात्मक कदम हैं। आदर्श जठियार ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता 'सेवा ही संकल्प' मिशन के तहत समर्पित भाव से समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंडल कार्यकर्ता पार्टी की पहुंच जरूरतमंदों और वंचितों तक सुनिश्चित करेंगे। इन पहलों में भाजपा कार्यकर्ताओं की भागीदारी बाबा साहब के मूल्यों को कायम रखने और समाज में एकता और समावेशिता को बढ़ावा देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी भाजपा के मंडल कार्यकर्ता जरूरतमंदों के कल्याण के लिए समाज के भीतर विभिन्न 'सेवा कार्यों' में प्रतिबद्धता से योगदान देंगे।

राजौरी में यूवा दूतों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जिला रोज़गार एवं परामर्श केंद्र ने युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रशिक्षित

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

राजौरी : जिला रोज़गार एवं परामर्श केंद्र,राजौरी की ओर से आज एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन राजौरी के आईटीआई परिसर में किया गया। यह कार्यक्रम षमिशन युवाष के तहत नियुक्त यूवा दूतों के मार्गदर्शन और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसे जिला विकास आयुक्त राजौरी, अभिषेक शर्मा के निर्देशानुसार संपन्न किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अपर जिला विकास आयुक्त, राजकुमार थापा द्वारा की गई, जो षमिशन युवाष के नोडल अधिकारी भी हैं। उन्होंने यूवा दूतों को उनके कार्य और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी और कहा कि षमिशन युवाष जम्मू–कश्मीर के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने यूवा दूतों से कहा कि वे समाज में बदलाव लाने वाले बनें और प्रशासन की ओर से उन्हें पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन प्रद्योत गुप्ता, सहायक निदेशक, जिला रोज़गार एवं परामर्श केंद्र, राजौरी ने किया।

उन्होंने बताया कि यूवा दूतों को पंचायत स्तर पर संभावित नए उद्यमियों की पहचान करने और उन्हें स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में यूवा दूतों को यह भी सिखाया गया कि वे गांव–गांव जाकर लोगों को रोजगार योजनाओं के बारे में कैसे जागरूक करें। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि उनका काम केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि युवाओं को प्रोत्साहित करना और योजना का लाभ दिलवाना भी है। प्रशिक्षण में काम के मूल्यांकन के लिए कुछ मुख्य बिंदुओं पर भी ज़ोर दिया गया। इस कार्यक्रम में षमिशन युवाष से जुड़े मोबाइल ऐप का डेमो दिखाया गया, जिससे यूवा दूत अपने काम की जानकारी रीयल टाइम में भेज सकें। पहले किए गए सर्वे की जानकारी भी साझा की गई ताकि यूवा दूत समझ सकें कि किन युवाओं को ज्यादा मदद की ज़रूरत है। इस अवसर पर उज्ज्वल महाजन (प्राचार्य, आईटीआई राजौरी), संजीव भसीन (लीड ज़िला प्रबंधक, जम्मू–कश्मीर बैंक), रफाक़ित अज़ीज़ (प्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र) और अरशद मलिक (नोडल अधिकारी, जेकेईडीआई) ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया और युवाओं को स्वरोजगार के बारे में दिशा–निर्देश दिए।

कार्यक्रम के अंत में सवाल–जवाब सत्र भी हुआ, जिसमें यूवा दूतों ने अपने अनुभव साझा किए और सुझाव दिए।

पंजाब स्थित एजेंट को डंकी रूट के जरिए अवैध अमेरिकी प्रवेश की सुविधा देने के आरोप में आईजीआई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने पंजाब के एक 36 वर्षीय एजेंट को कथित तौर पर यात्रा दस्तावेजों में जालसाजी करने और श्डुनकी मार्गश के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध प्रवेश की सुविधा प्रदान करने में शामिल गिरफ्तार किया है, एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान पंजाब के पटियाला के मटौली गांव के निवासी नरेश कुमार के रूप में हुई है, जिसे अमेरिका से एक भारतीय यात्री के निर्वासन के बाद पकड़ा गया था। कुमार ने कथित तौर पर अन्य एजेंटों के साथ मिलकर फर्जी शेंगेन वीजा की व्यवस्था की थी और बाद में जालसाजी को छिपाने के लिए यात्री के पासपोर्ट के साथ छेड़छाड़ की थी। यह मामला 4 और 5 अप्रैल की मध्यरात्रि को सामने आया जब एक निर्वासित गुरसाहिब सिंह (39) अमेरिका से आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंचा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पंजाब के तरनतारन जिले के निवासी सिंह पर बाद में आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद निरोधक तंत्र को मजबूत किया जा रहा है : डीजीपी प्रभात

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

गंदेरबल : पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर पुलिस आतंकवाद विरोधी ग्रिड को मजबूत कर रही है और साइबर अपराधियों से निपटने के प्रयास जारी हैं।

समाचार एजेंसी–कश्मीर न्यूज ऑब्जर्वर (केएनओ) के अनुसार, मध्य कश्मीर में एक पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए डीजीपी प्रभात ने कहा, हमें सभी तरह की सहायता और मदद प्रदान करने के लिए हम केंद्र और गृह मंत्रालय के आभारी हैं। डीजीपी ने कहा, जम्मू–कश्मीर पुलिस शहीदों के परिवारों के साथ खड़ी रहने के लिए प्रतिबद्ध है। पासआउट को बधाई देते हुए डीजीपी ने कहा, आप देश के सर्वश्रेष्ठ पुलिस बलों में से एक का हिस्सा बन गए हैं। मैं आपमें अनुशासन और दृढ़ संकल्प देखता हूं और आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

रतन लाल गुप्ता ने भाजपा के दुष्प्रचार अभियान पर पलटवार किया, अनुच्छेद 370 पर एनसी के रूख की पुष्टि की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों और मनगढ़ंत कहानियों का जवाब देते हुए, जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष एडवोकेट रतन लाल गुप्ता ने झूठ और छल पर आधारित राजनीति चलाने के लिए भाजपा की कड़ी आलोचना की है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, रतन लाल गुप्ता ने कहा, षभाजपा एक नकली और मनगढ़ंत कहानी पर पनपती है, और यह जम्मू–कश्मीर में अपनी भारी विफलताओं से ध्यान हटाने का एक और हताश प्रयास है।ष

पूर्व रॉ प्रमुख ए.एस. दुलत की हालिया किताब के संदर्भ पर कड़ी आपत्ति जताते हुए, रतन लाल ने कहा कि भाजपा अपने एजेंडे के अनुरूप तथ्यों को जानबूझकर तोड़–मरोड़ रही है। उन्होंने कहा, श्री दुलत ने खुद सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया है और ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है, जिससे यह लगे कि महान नेता ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का समर्थन किया है। यह शर्मनाक है कि भाजपा अब एक महान एनसी नेता के कद को बदनाम

करने के लिए एक किताब की आधी–अधूरी व्याख्याओं पर भरोसा कर रही है।ष प्रांतीय अध्यक्ष ने दोहराया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का रुख हमेशा सुसंगत और स्पष्ट रहा है। ष्हमारा आदर्श वाक्य हमेशा स्पष्ट रहा है– अनुच्छेद 370 की बहाली और जम्मू–कश्मीर के लोगों के विशेष अधिकार। कोई भी दुष्प्रचार हमारे संकल्प को कमजोर नहीं कर सकता।

नेशनल कॉन्फ्रेंस 5 अगस्त, 2019 को हमसे छीने गए अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक, संवैधानिक और दृढ़ संकल्प के साथ लड़ती रहेगी।ष भाजपा के दोहरे चरित्र पर सवाल उठाते हुए रतन लाल गुप्ता ने सदन में भारत के प्रधान मंत्री और भारत के गृह मंत्री द्वारा किए गए वादे के अनुसार राज्य का दर्जा बहाल करने की लोगों की मांग को दोहराया। जम्मू–कश्मीर में कई मौकों पर सामान्य स्थिति का दावा करने के बावजूद, उन्होंने भाजपा नेतृत्व से जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा देने में देरी के पीछे के कारणों के बारे में पूछा और इसे जनता के साथ विश्वासघात बताया। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग भाजपा के दोगलेपन से अच्छी तरह वाकिफ हैं। ष्एक तरफ, वे निरस्तीकरण के बाद विकास के एक नए युग का दावा करते हैं, और दूसरी तरफ, वे राज्य का दर्जा वापस लाने या लोगों को लोकतांत्रिक अधिकार बहाल करने में विफल रहे हैं। अब कौन दोहरा चरित्र चला रहा है?ष प्रांतीय अध्यक्ष ने पुष्टि की कि कोई भी गलत सूचना अभियान जम्मू–कश्मीर के लोगों की गरिमा, पहचान और संवैधानिक अधिकारों के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किए गए संघर्ष और बलिदान के इतिहास को मिटा नहीं सकता। ष्सत्य की जीत होगी, और नेशनल कॉन्फ्रेंस हमेशा लोगों के साथ खड़ी रहेगी और जम्मू–कश्मीर के लोगों के विशेष अधिकारों को बहाल करने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

जम्मू और उधमपुर में पीएसए के तहत दो अपराधी हिरासत में लिए गए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : पुलिस ने कहा कि एक मवेशी तस्कर सहित दो संदिग्ध अपराधियों को शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर के जम्मू और उधमपुर जिलों में कड़े सार्वजनिक सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया।

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि रामनगर के सिरा मंजला गांव के निवासी और मवेशी तस्कर लखीत अली उर्फ घ्घलियाकत को उधमपुर के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था।

उन्होंने कहा कि आरोपी पर मवेशी तस्करी से जुड़े कई मामले दर्ज हैं और वह जिले के शांतिपूर्ण माहौल के लिए खतरा बन गया है। प्रवक्ता ने कहा कि अरनिया के कथार गांव के निवासी रमन कुमार को भी जम्मू जिले में पीएसए के तहत हिरासत में लिया गया था।

"कुमार एक कुख्यात अपराधी है जिसका हिंसक और जघन्य अपराधों का इतिहास है। कई गिरफ्तारियों और कानूनी कार्रवाइयों के बावजूद, उसने लगातार कानून के प्रति घोर अवहेलना दिखाई है और आपराधिक गतिविधियों में अपनी संलिप्तता जारी रखी है, जिससे सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को गंभीर खतरा है।

अधिकारी ने कहा कि नियमित कानूनी उपाय कुमार के गैरकानूनी आचरण को रोकने में विफल रहे और इसलिए सार्वजनिक व्यवस्था की रक्षा और आगे की आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए पीएसए के तहत उनकी निवारक हिरासत को आवश्यक माना गया।

उन्होंने कहा कि हिरासत के बाद जिला जेल, उधमपुर में बंद आरोपी के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज हैं।

पीएसए एक प्रशासनिक कानून है जो कुछ मामलों में दो साल तक बिना आरोप या सुनवाई के हिरासत में रखने की अनुमति देता है।

पाकिस्तानी नंबरों से संदिग्ध फोन कॉल आने के बाद पुलिस ने पुंछ निवासी को गिरफ्तार किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

पुंछ : पुंछ जिले के एक निवासी को गुरुवार को सांबा जिले में गिरफ्तार किया गया, जब उसके मोबाइल फोन पर तीन पाकिस्तानी फोन नंबर मिले। अधिकारियों ने बताया, पुंछ जिले के निवासी फारूक अहमद को सांबा में हिरासत में लिया गया, जब उसके फोन पर तीन पाकिस्तानी फोन नंबर मिले, जिनमें इनकमिंग कॉल थीं। उसे डिप्टी कमिश्नर ऑफिस के पास देखा गया, जिससे संदेह पैदा हुआ और उसे हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू–कश्मीर पुलिस अब संदिग्ध गतिविधियों से उसके संभावित संबंधों की जांच कर रही है। सुरक्षा कारणों से जम्मू–कश्मीर से पाकिस्तान तक आईएसडी कॉल की अनुमति नहीं है। जम्मू संभाग के कठुआ, राजौरी, पुंछ, किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों में आतंकवादियों का पता लगाने और संयुक्त बलों द्वारा उनके साथ मुठभेड़ के लिए बड़े पैमाने पर श्खोजो और नष्ट करोश अभियान चल रहा है। पिछले सप्ताह किश्तवाड़ जिले में तीन दिवसीय अभियान में जैश–ए–मुहम्मद (जेईएम) संगठन के शीर्ष कमांडर सैफुल्लाह सहित तीन पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए थे। सुरक्षा बलों का मानना है कि आतंकवादी, चाहे वे स्थानीय हों या विदेशी, पहाड़ी क्षेत्रों या भीतरी इलाकों में तब तक सक्रिय नहीं हो सकते, जब तक कि उन्हें ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं (ओजीडब्ल्यू) या समर्थकों का समर्थन प्राप्त न हो।

तेजिंदर सिंह ने नशा विरोधी अभियान को तेज करने, जमीनी स्तर पर भागीदारी को मजबूत करने के लिए भविष्य की रणनीति पर चर्चा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : युवा राष्ट्रीय सम्मेलन (वाईएनसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक आज जम्मू–कश्मीर वाईएनसी के प्रांतीय अध्यक्ष तेजिंदर पाल सिंह अमन की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें चल रहे नशा विरोधी अभियान के संबंध में आगे की कार्रवाई पर विचार–विमर्श किया गया और जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को बढ़ाया गया।

बैठक के दौरान, जिसमें विभिन्न जिलों के युवा नेताओं और प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के ज्वलंत मुद्दे पर आज जम्मू के शेर–ए–कश्मीर भवन में विस्तार से चर्चा की गई।

प्रांतीय अध्यक्ष वाईएनसी ने समाज में नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे पर गंभीर चिंता व्यक्त की और इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए सामूहिक, समन्वित प्रयासों की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा राष्ट्रीय सम्मेलन को जागरूकता पैदा करने, पुनर्वास का समर्थन करने और नशीली दवाओं के तस्करों के खिलाफ प्रवर्तन तंत्र को कड़ा करने के लिए प्रशासन पर दबाव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

उन्होंने कहा कि वाईएनसी जल्द ही जम्मू–कश्मीर के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और ग्रामीण इलाकों में व्यापक नशा विरोधी जागरूकता अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा, ‘युवा ही बदलाव के असली वाहक हैं और भावी पीढ़ियों को इस बढ़ते खतरे से बचाना हमारी जिम्मेदारी है।’ उन्होंने कार्यकर्ताओं से जन जागरूकता पैदा करने के लिए छात्रों, अभिभावकों और समुदाय के बुजुर्गों को शामिल करते हुए सेमिनार, रैलियां और संवादात्मक सत्र आयोजित करने का आग्रह किया।

वाईएनसी के प्रांतीय अध्यक्ष ने जमीनी स्तर पर पार्टी गतिविधियों को मजबूत करने में युवा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी ध्यान केंद्रित किया। लोगों से सीधे जुड़ने, स्थानीय मुद्दों को समझने और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रगतिशील दृष्टिकोण को पेश करने के लिए हर पंचायत, वार्ड और ब्लॉक में युवा समितियों को सक्रिय करने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया। तेजिंदर पाल सिंह अमन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी रिपोर्ट और फीडबैक तंत्र तैयार करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पार्टी का संदेश और कल्याणकारी पहल अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है।

नीतीश गोस्वामी, विशाल परिहार उपाध्यक्ष जम्मू प्रांत वाईएनसी, साहिल केरनी जिला अध्यक्ष जम्मू शहरी वाईएनसी, अनूप गुप्ता जिला अध्यक्ष कठुआ शहरी वाईएनसी, ज़मीर कुरैशी और हामिद चौधरी। उन्होंने जम्मू–कश्मीर के युवाओं को सशक्त बनाने, जवाबदेही की राजनीति को बढ़ावा देने और नेशनल कॉन्फ्रेंस के मूल्यों और विरासत को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने युवाओं को एकजुट होने और आगामी स्थानीय निकायों और पंचायत चुनावों में मजबूत प्रतिनिधित्व हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे उनके उत्थान के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को बल मिला।

बैठक का समापन एक जीवंत और नशा मुक्त जम्मू–कश्मीर के निर्माण के लिए एकता, अनुशासन और समर्पण के मजबूत संदेश के साथ हुआ।

बैठक में उपस्थित लोगों में शामिल थेरू जसीम मलिक, याशिर अहसन, मुदित सेठ, मुजमेल मलिक, माजिद इकबाल नाइक, बिलाल मलिक, साकिब शौकत, वेराज महानोरी, गुरशरण सिंह, तेजपाल सिंह गुरदेव सिंह, अटल सिंह, अशरफ, अमित शर्मा, सलीम जाफर, रजत और अन्य।

पूर्व रॉ प्रमुख के खुलासे कुछ भी नया नहीं : महबूबा मुफ्ती

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को कहा कि वह पूर्व रॉ प्रमुख एएस दुलत द्वारा अपनी नवीनतम पुस्तक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का "निजी तौर पर" समर्थन करने के बारे में किए गए खुलासे से आश्चर्यचकित नहीं हैं।

मुफ्ती ने यहां पीडीपी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ‘दुलत के खुलासे मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। यह पिता–पुत्र जोड़ी (फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला) 3 अगस्त (2019) को उनसे (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) मिलने गए थे। फारूक साहब (5 अगस्त, 2019 को) संसद भी नहीं गए। वह वहीं रुक गए। इसलिए मेरे लिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है।’

पूर्ववर्ती जम्मू–कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को केंद्र ने 5 अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया था।

मुफ्ती ने यह भी दावा किया कि 2014 में उमर अब्दुल्ला ने जम्मू–कश्मीर में सरकार गठन के लिए अमित शाह से मुलाकात की थी। उन्होंने आरोप लगाया, "उन्होंने शाह से कहा कि वह पीडीपी के साथ सरकार न बनाएं, बल्कि नेशनल कांफ्रेंस के साथ जाएं और वह भी बिना शर्त।"

दुलत की पुस्तक, जिसका शीर्षक ‘द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई’ है, 18 अप्रैल को प्रकाशित होने वाली है।

मुफ्ती ने यह भी दावा किया कि 2015 से 2018 तक भाजपा के साथ पीडीपी के गठबंधन की आधारशिला यह थी कि अनुच्छेद 370 को छुआ नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा, "उन दो साल और 10 महीनों में अनुच्छेद 370 को छुआ तक नहीं गया।" पीडीपी प्रमुख ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम और मस्जिदों और दरगाहों पर "हमलों" के बारे में भी बात की और कहा कि कब्रों को इस बहाने से खोदा जा रहा है कि ये मुगल साम्राज्य के अवशेष हैं। "मुगल साम्राज्य की निशानियां ताजमहल, लाल किला, कुतुब मीनार और फतेहपुर सीकरी हैं, जहां हर साल लाखों पर्यटक आते हैं। मुफ्ती ने कहा, ‘अगर आप मुग़लों के वंशजों की तलाश कर रहे हैं, तो वे हम मुसलमानों में नहीं हैं। वे आपके आस–पास ही हैं... क्योंकि मुग़ल राजा थे और उन्होंने आम मुस्लिम परिवारों में नहीं बल्कि रियासतों में शादियाँ कीं, जिनके वंशज आपके आस–पास बैठे हैं।"

बीजेवाईएम जम्मू-कश्मीर ने नेशनल हेराल्ड घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

"जीप घोटाले से लेकर 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले और अब नेशनल हेराल्ड मामले तक, भ्रष्टाचार कांग्रेस पार्टी के डीएनए में गहराई से समाया हुआ है," अरुण प्रभात ने टिप्पणी की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) जम्मू–कश्मीर ने आज प्रदेश अध्यक्ष अरुण प्रभात के नेतृत्व में प्रेस क्लब, डोगरा चौक, जम्मू के बाहर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी सहित इसके शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ नेशनल हेराल्ड घोटाले में कथित बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्टी के कुकृत्यों के खिलाफ नारे लगाते हुए, बीजेवाईएम कार्यकर्ताओं ने वित्तीय धोखाधड़ी, संस्थागत दुरुपयोग और कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सार्वजनिक धन की व्यवस्थित लूट की निंदा करते हुए तख्तियां लेकर मार्च किया। विरोध प्रदर्शन का समापन सोनिया गांधी और राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व करने वाले पुतले को जलाने के साथ हुआ, जो व्यक्तिगत और राजनीतिक लाभ के लिए सत्ता के खुलेआम दुरुपयोग पर जनता के आक्रोश को दर्शाता है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए अरुण प्रभात ने कहा, "नेशनल हेराल्ड मामला सिर्फ़ वित्तीय धोखाधड़ी का मामला नहीं है, बल्कि यह इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि किस तरह कांग्रेस पार्टी और उसके नेता, खास तौर पर गांधी परिवार, लगातार राष्ट्रीय संस्थाओं को अपनी निजी संपत्ति मानते आए हैं। भारत के लोगों के लिए तय किए गए धन को शीर्ष पर बैठे कुछ लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए बेशर्मी से डायवर्ट किया गया।" नेशनल हेराल्ड मामला, जो अभी न्यायिक जांच के दायरे में है, यंग इंडियन द्वारा एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के कथित अधिग्रहण से जुड़ा है – एक ऐसी कंपनी जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी की बहुलांश हिस्सेदारी है – शेयरधारकों को मुआवज़ा दिए बिना या सरकार को बकाया चुकाए बिना। आलोचकों और जांच एजेंसियों ने एक बंद हो चुके अख़बार को फिर से शुरू करने की आड़ में प्रमुख शहरों में प्रमुख रियल एस्टेट संपत्तियों सहित हज़ारों करोड़ की संपत्ति के गलत तरीके से अधिग्रहण की ओर इशारा किया है। बीजेवाईएम ने कांग्रेस पार्टी के वित्तीय कुशासन, संरक्षण की राजनीति और संस्थागत हेरफेर के लंबे इतिहास की भी निंदा की। अरुण प्रभात ने कांग्रेस पर राजनीतिक आड़ में भ्रष्ट आचरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और भारतीय राजनीति में भ्रष्ट ताकतों को उजागर करने और उनका विरोध करने के लिए बीजेवाईएम की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रदर्शन में अभिषेक सलाथिया, युवराज सिंह, संजय शर्मा, ईशांत महाजन, डॉ. हिमजा मेंगी, प्रियंका महाजन, लवदेवल शर्मा, एडवोकेट अमित शर्मा, सोनिका शर्मा, रजत सिंह मन्हास, मोनू सलाथिया, रोहित शर्मा, सागर सिंह कोटवाल, कनव शर्मा, आकाश सिंह सलाथिया, नवीन जायसवाल, मोनू सलाथिया, पवन सिंह मन्हास, रमन शर्मा, शुभम मन्हास, राहुल प्रधान और क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेताओं सहित बीजेवाईएम के कई युवा कार्यकर्ता शामिल हुए।

सरकार ने जम्मू संभाग में कक्षा 1 में प्रवेश के लिए एक बार की आयु छूट की घोषणा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए शीतकालीन क्षेत्रों को छोड़कर जम्मू संभाग के सभी शैक्षणिक संस्थानों में कक्षा 1 में प्रवेश के लिए एक बार की आयु में छूट प्रदान की है।

यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत आयु मानदंड पर स्पष्टता की मांग करने वाली कई प्रस्तुतियों के जवाब में उठाया गया है।

नीति के अनुसार, नर्सरी में प्रवेश के लिए बच्चे की आयु कम से कम तीन वर्ष होनी चाहिए तथा कक्षा 1 में प्रवेश के लिए बच्चे की आयु छह वर्ष पूरी होनी चाहिए। हालाँकि, एक संक्रमणकालीन छूट के तहत 30 सितंबर, 2025 तक जन्मे बच्चों को आगामी सत्र के लिए कक्षा 1 में प्रवेश दिया जाएगा। यह अपवाद विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जिन्होंने 2022–23 शैक्षणिक वर्ष में नर्सरी में दाखिला लिया है। विभाग ने आगे स्पष्ट किया कि 2026–27 सत्र के बाद से ऐसी किसी भी छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी, और नर्सरी में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु की गणना करने की कट–ऑफ तिथि संबंधित शैक्षणिक वर्ष की 31 मार्च होगी, जो कि एनईपी–2020 के अनुरूप होगी।

मेलोनी के सामने रायते की तरह फैल गए अमेरिकी राष्ट्रपति, बोल दिया ये बड़ा झूठ

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी अमेरिका के दौरे पर हैं. ट्रंप की तरफ से लगाए गए 20: टैरिफ के बाद उनसे मिलने वाली पहली यूरोपीय नेता बनीं. इस मीटिंग में व्यापार से लेकर कई मुद्दे को लेकर बात हुई. मगर एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने एक बड़ा झूठ भी कह डाला जिसकी हर जगह चर्चा है.

एजेंसी

व्हाइट हाउस में हाल ही में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हुई है. ट्रंप की तरफ से लगाए गए 20: टैरिफ के बाद उनसे मिलने वाली पहली यूरा.`पीय नेता बनीं. इटली के लिए ये टैरिफ अहम मसला है क्योंकि उसके करीब 10: एक्सपोर्ट अमेरिका जाते हैं. शुरु में तो मीटिंग में सबकुछ संभला हुआ लग रहा था, तभी एक सवाल की वजह से ट्रंप की जुबान लड़खड़ा गई. सामने बैठे ट्रंप ऐसे बौखलाए कि खुद को बचाने के चक्कर में एक बड़ा झूठ बोल गए.

ट्रंप ने क्या कहा, पहले ये जानिए

दरअसल एक इटैलियन पत्रकार ने ट्रंप से सीधे पूछ लिया कि क्या आपने यूरो. पियनों को परजीवी यानी पैरासाइट्स कहा है? ट्रंप ने तुरंत इनकार कर दिया और कहा कि मैंने ऐसा कभी नहीं कहा. मुझे तो समझ में भी नहीं आ रहा है कि आप किसकी बात कर रहे हैं. मगर बात यहीं नहीं रुकी. इटली की प्रधानमंत्री मेलोने ने बीच में दखल देते हुए ट्रंप से वही सवाल दोहराया और उन्हें क्लीन चीट दी कि नहीं इन्होंने ऐसा नहीं कहा है.

ट्रंप ने क्या झूठ बोल दिया?

हालांकि ट्रंप का ये बयान अटलांटिक की उस रिपोर्ट से बिल्कुल उलट था जिसमें मार्च 2025 में लीक हुए सीग्नल चौट्स का जिक्र था. इन चौट्स में ट्रंप प्रशासन के कुछ अधिकारी यूरोपीय देशों को पैरासाइट्स कहते हुए पाए गए थे. वो भी यमन में एयरस्ट्राइक्स को लेकर हो रही बातचीत में.

डील की बात पर कहा कोई जल्दी नहीं

सवाल–जवाब के अलावा मीटिंग का मूल फोकस व्यापार और कूटनीति का रहा. ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ समझौता 100 फीसदी मुमकिन है लेकिन साथ ही ये भी जोड़ा कि कोई जल्दी नहीं है. अगर यूरोपीय यूनियन तैयार नहीं हुआ तो हम डील कर देंगे उनके बिना ही. मेलोनी ने भी डील की उम्मीद जताई और ट्रंप को रोम आने का न्योता दे डाला.

ट्रंप–मेलोनी की मुलाकात पर यूरोपीय संघ चिंतित

यूरोपीय संघ के भीतर मेलोनी की ट्रंप से बढ़ती नज़दीकियों पर कुछ नेताओं ने चिंता जताई. फ्रांस के इंडस्ट्री मिनिस्टर ने कहा कि ऐसे व्यक्तिगत समझौते यूरा.`पीय एकता को नुकसान पहुंचा सकते हैं. मेलोनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में ट्रंप के अमेरिका को फिर से महान बनाओ की तर्ज पर कहा कि मेरा मकसद है वेस्ट को फिर से महान बनाना. उन्होंने माना कि अमेरिका और यूरोप के बीच कुछ मतभेद हैं, लेकिन अब वक्त है साथ बैठकर हल निकालने का.

कहानी फोटो ऑफ द ईयर वाले लड़के महमूद और फोटोग्राफर समर की

एजेंसी

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित फोटो जर्नलिज़्म अवॉर्ड वर्ल्ड प्रेस फोटो ऑफ द ईयर 2025 का खिताब इस बार एक फिलिस्तीनी बच्चे की तस्वीर को दिया गया है, जो गाजा युद्ध की त्रासदी को संवेदनशीलता के साथ सामने लाती है. ये तस्वीर है 9 साल के फिलिस्तीनी बच्चे महमूद अजजूर की, जिसने एक इजराइली हमले में अपने दोनों हाथ खो दिए. ये तस्वीर खींची है गाजा की रहने वाली फोटो जर्नलिस्ट समर अबू अलऊफ ने, जो इन दिनों कतर के दोहा शहर में रह रही हैं. समर ने ये तस्वीर जून 2024 में ली थी, जब वो खुद और महमूद, दोनों दोहा के एक ही अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में रह रहे थे. महमूद वहां इलाज के लिए अपने परिवार के साथ लाया गया था. आइए जानते हैं फोटो ऑफ द ईयर वाले लड़के महमूद और फोटोग्राफर समर की कहानी

तस्वीर जो बनी वर्ल्ड प्रेस फोटो ऑफ द ईयर

तस्वीर में महमूद अजजूर कैमरे की ओर शांत निगाहों से देख रहा है उसके दोनों हाथ कंधों के ठीक नीचे से गायब हैं. यह तस्वीर न्यू यॉर्क टाइम्स के लिए ली गई थी और मार्च 2024 में गाजा सिटी में हुए हमले के बाद की है. ये सिर्फ एक तस्वीर नहीं, बल्कि एक चीख है जो उन हजारा.`बच्चों की कहानी कहती है जो इस जंग में सबकुछ खो बैठे हैं.

समर अबू अलऊफ़ कौन है?

समर अबू अलऊफ एक सेल्फ–टॉट फोटो जर्नलिस्ट हैं, यानी उन्होंने फोटोग्राफी की कोई औपचारिक ट्रेनिंग नहीं ली. 2010 से अब तक वो गाजा की हर बड़ी खबर को कवर करती रही हैं. चाहे वो संघर्ष की कहानी हो, या आम लोगों की जिंदगी की. 2021 में इजराइल–गजा जंग के दौरान उन्होंने न्यू यॉर्क टाइम्स के लिए काम करना शुरू किया. तब से लेकर आज तक वो युद्ध के बीच से दुनिया को वो तस्वीरें भेजती रही हैं.

पहले भी जीत चुकी हैं अवॉर्ड

2023 में उन्होंने पोल्क अवॉर्ड जीता था, जिसमें उनकी एक तस्वीर काफी चर्चित रही. उस तस्वीर में कुछ बच्चे स्कूल में सिर उठाकर आसमान की ओर देख रहे थे.

ईरान को ट्रंप का एक लाइन में अल्टीमेटम, देश बचाना है तो...

ईरान पर इजराइल के संभावित हमले को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने टाल दिया. 8 मई को होने वाला हमला रोकने के लिए ट्रंप ने नेतन्याहू को व्हाइट हाउस बुलाया. नेतन्याहू हमले के पक्ष में थे, लेकिन ट्रंप ने ईरान से बातचीत का हवाला देते हुए उन्हें रोक दिया. ईरान ने परमाणु कार्यक्रम जारी रखने की धमकी दी. अब ट्रंप का नया बयान सामने आया है.

एजेंसी

ईरान पर इजराइल हमले का मन बना चुका था. अगर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने दखल ना दिया होता तो 8 मई की तारीख ईरानी कैलेंडर में काली स्याही से लिखी जाती. इस बात को ट्रंप ने कबूल कर लिया है. उन्होंने माना है कि ईरान पर इसराइल हमला करने वाला था. साथ ही साथ ट्रंप ने कहा कि हमला टला नहीं, लेकिन वो जल्दी नहीं करना चाहते हैं. उन्होंने ईरान को दी चेतावनी देते हुए आगाह कर दिया है.

अमेरिका के राष्ट्रपति ने ईरान से कहा कि अगर देश बचाना है तो न्यूक्लियर प्रोग्राम छोड़ना होगा. मैं चाहता हूं कि ईरान खुश रहे, लेकिन उसके पास दूसरा विकल्प नहीं है. दरअसल, ईरान से बातचीत के 24 घंटे पहले ट्रंप ने एक लाइन में अल्टीमेटम दे दिया है.

बताया गया कि 8 मई को इजराइल की एयरफोर्स ईरान के न्यूक्लियर प्लांट पर बड़ा अटैक करने वाली थी, लेकिन ट्रंप ने उस अटैक से पहले नेतन्याहू को मुलाकात के लिए व्हाइस हाउस बुला लिया. उसके बाद दोनों के बीच गर्मागरम बहस हुई. इरजाइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा हमले का प्लान तैयार है और सही वक्त पर ईरान पर अटैक किया जाएगा. इस पर ट्रंप ने नेतन्याहू को सलाह दी कि इस वक्त ईरान पर हमला करना ठीक नहीं होगा.

ईरान को मौका देना ठीक नहीं, ट्रंप का टूटा सब्र

ट्रंप की इस बात पर नेतन्याहू भड़क गए और कहा कि नहीं, मैं तुरंत ईरान पर अटैक करना चाहता हूं. ट्रंप ने फिर समझाया कि अभी ईरान से बात चल रही है, इसलिए रुक जाओ. नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को ज्यादा मौका देना ठीक नहीं है. उनकी इस बात से ट्रंप का सब्र जवाब दे गया, उन्होंने कहा कि अगर इजराइल ने ईरान पर हमला किया तो अमेरिका, इजराइल का साथ छोड़ देगा. नेतन्याहू को ट्रंप की ये भाषा समझ आ गई और कहा कि ठीक है ईरान को एक मौका दिया जाए, लेकिन कड़ी शर्तों के साथ.

हालांकि ईरान अपने रवैये पर अड़ा हुआ है. उस पर ना तो ट्रंप की धमकी का असर पड़ा और ना ही नेतन्याहू की चेतावनी का. तेहरान से उठ रही यूरेनियम की तपिश, अब व्हाइट हाउस की दीवारों को झुलसा रही है. ट्रंप उस आग को बुझाने की को. शिश में लगे हैं, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री के एक बयान ने उस आग में घी डाल दिया. अमेरिका की धमकियों को सिरे से नकारते हुए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ कहा कि ईरान अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम के लिए यूरेनियम का इस्तेमाल जारी रखेगा, फिर चाहे अमेरिका कुछ भी कहे.

ईरान न्यूक्लियर बम बनाने के बेहद करीब

ये जवाब सिर्फ ट्रंप के लिए नहीं है. ये सीधा संदेश नेतन्याहू को भी है, जो ईरान के न्यूक्लियर प्लांट पर एक हमले के लिए बेचौन हैं.

उनकी बेचौनी को बढ़ाने वाला एक बयान आईएईए चीफ राफेल ग्रॉसी की तरफ से भी आया है.

किस्मत भी नहीं दे रही ताइवान का साथ, चीन से तनाव के बीच हो गए दो बड़े कांड

एजेंसी

चीन के खिलाफ बिगुल फूंकने वाले ताइवान की किस्मत ही खराब है. एक तरफ जहां चीन उसके सीमा को मजबूती से घेर लिया है. वहीं दूसरी तरफ ताइवान को अपने ही सैन्य अभ्यास में लगातार असफलता मिल रही है. पिछले 2 दिन में ताइवान के साथ दो बड़ा कांड हो गया है.

पहला कांड जासूसी से तो दूसरा फाइटर जेट से जुड़ा है. इस दो बड़ी घटना के बाद ताइवान में सन्नाटा का माहौल है. वहीं चीन अंदर ही अंदर खुश है. टकराव के बीच चीन ने ताइवान को पूरी तरह से घेर लिया है. मैप्स से जो खुलासा हुआ है, उसके मुताबिक चीन ने कुआदोंग द्वीप के पास बीच समंदर में 6 परमाणु पनडुब्बी को तैनात कर दिया है. इन पनडुब्बियों के सहारे चीन ताइवान को नक्शे से मिटा पाने में सक्षम है.

इसके अलावा चीन ने प्रशांत महासागर में 3000 किमी तक की घेराबंदी कर दी है. इससे अमेरिका आसानी से ताइवान तक अपना हथियार नहीं पहुंचा पाएगा. यानी अगर ताइवान पर चीन हमला करता है तो अमेरिका कुछ न कर पाने की स्थिति में होगा.

चीन का कहना है कि ताइवान को अमेरिका किसी भी स्थिति में नहीं बचा पाएगा.

ताइवान को 2 दिन में दो बड़े झटके लगे हैं. पहला झटका उसे तब लगा, जब उसके खुफिया एजेंसी को यह पता चला कि सेना के शीर्ष पदों पर 62 चीनी नागरिक तैनात हैं. गुरुवार को इन 62 चीनी सैनिकों की पहचान की गई है. ताइवान की सरकार अब यह जांच कर रही है कि आखिर इन सैनिकों की तैनाती का मकसद क्या था.

दिल्ली एम्स को मिली बड़ी कामयाबी, दुनिया के टॉप 100 अस्पतालों में शामिल

दिल्ली के एम्स अस्पताल को बड़ी कामयाबी मिली है. अस्पताल को न्यूजवीक और जर्मनी की संस्था स्टेटिस्टा ने दुनिया के 100 बेस्ट अस्पतालों की लिस्ट में शामिल किया है. अस्पताल को 97वीं रैंक दी गई है. एम्स के साथ-साथ इस लिस्ट में भारत के 2 और अस्पतालों का नाम शामिल है.

एजेंसी

दिल्ली के एम्स अस्पताल ने बड़ी कामयाबी हासिल की है. अमेरिका की साप्ताहिक समाचार पत्रिका न्यूजवीक और जर्मनी की संस्था स्टेटिस्टा ने विश्व के 2024 के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की रैंकिंग दी है. इस रैंकिंग में दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को वैश्विक स्तर पर 97वें सर्वश्रेष्ठ अस्पताल के रूप में चुना गया है.

बयान के अनुसार, चिकित्सा अनुसंधान संस्थान और अस्पताल को इसकी स्वास्थ्य देखभाल, एडवांस मेडिकल रिसर्च और किफायती इलाज के लिए मान्यता दी गई है. न्यूजवीक–स्टेटिस्टा की रैंकिंग के 6 संस्करण में 30 देशों के 2,400 से अधिक अस्पतालों का विभिन्न आधारों पर मूल्यांकन किया गया है.

भारत के किन अस्पतालों का नाम शामिल

भारत के दो अन्य अस्पतालों को भी वैश्विक सूची में शामिल किया गया है. बयान में कहा गया कि गुड़गांव के मेदांता अस्पताल को इस लिस्ट में 146वां पायदान मिला है. इसे हृदयरोग, कैंसर और ऑर्गन ट्रांसप्लांट जैसी विशेषताओं में अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता के लिए मान्यता दी गई है.

इसमें कहा गया है कि चंडीगढ़ स्थित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर) को 228वां स्थान मिला है. इस संस्थान को साल 1962 में स्थापित किया गया था.

वैश्विक रैंकिंग में इन भारतीय अस्पतालों का शामिल होना स्वास्थ्य सेवा में भारत की बढ़ती प्रमुखता को सामने रखता है. यह बताता है कि कैसे हेल्थ केयर सिस्टम में भारत में सुधार हो रहा है और वैश्विक स्तर पर भारत के अस्पताल कामयाबी हासिल कर रहे हैं. एम्स दिल्ली, मेदांता और पीजीआईएमईआर ने यह कामयाबी हासिल की है. यह वर्ल्ड–क्लास मेडिकल केयर देते हैं.

हजारों मरीजों का होता है इलाज

एम्स दिल्ली देश का सबसे बड़ा सरक. ारी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज है . एम्स में देश और विदेश से इलाज करवाने के लिए मरीज आते हैं. यहां एडवांस तकनीक की मदद के मरीजों का इलाज किया जाता है. एम्स की स्थापना साल 1956 में हुई थी. एम्स में रोजाना 12 से 15 हजार मरीज ओपीडी के लिए आते हैं. एम्स में इलाज के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से अपॉइंटमेंट दिया जाता है. साथ ही एम्स में अपॉइंटमेंट हासिल करने के लिए मरीज लंबे वक्त तक इंतजार करते हैं. एम्स अस्पताल में कई गंभीर बीमारियों का भी इलाज होता है.

ये मकान बिकाऊ है.. दिल्ली के सीलमपुर से हिंदुओं का पलायन! युवक की हत्या के बाद इलाके में दहशत

एजेंसी

खटारा, बीमार, लाचार, कांग्रेस३ नेशनल हेराल्ड मामले पर सोनिया–राहुल पर बरसी बीजेपी

बीजेपी नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर नेशनल हेराल्ड घोटाले में संलिप्त होने आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि मात्र 50 लाख रुपए में 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति अधिग्रहण करना कांग्रेस का भ्रष्टाचार मॉडल दर्शाता है. यह घोटाला कांग्रेस की राज्य सरकारों द्वारा दिए गए विज्ञापन धन से चलाया जा रहा था और सोनिया और राहुल गांधी मुख्य आरोपी हैं.दिल्ली के सीलमपुर इलाके में 17 साल के युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई. युवक पर हमला उस समय हुआ जब वो घर से दूध लेने के लिए निकला था. इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. पूरे मामले में एक लड़की के शामिल होने की बात भी सामने आ रही है. घटना के बाद लोगों में दहशत है. हिंदुओं के पलायन की बात सामने आ रही है. लोगों ने अपने घरों के बाहर ये मकान बिकाऊ है के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं. जिसमें लिखा है कि योगी जी, मदद करो योगी जी, रेखा गुप्ता जी मदद करो.

इस मर्डर की घटना के बाद सीलमपुर में स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है. स्थानीय लोगों ने न्याय की मांग करते हुए जमकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी भी की. पुलिस ने मृतक की पहचान कुनाल के रूप में की है. सीलमपुर हत्याकांड के मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ब्ब्ज्ट फुटेज और गवाहों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी. कुनाल अपने परिवार के साथ सीलमपुर के श्र ब्लाक में रहता था. परिवार में पिता राजवीर, मां, तीन भाई व एक बहन है. पिता ऑटो चलाते हैं. कुनाल गांधी नगर में एक कपड़े की दुकान पर काम करता था.

आरोपियों को मिले मौत की सजा– मृतक की मां

मृतक कुनाल की मां प्रवीन और बड़ी बहन वंदना ने कहा कि उन्हें अपने बेटे के लिए इंसाफ चाहिए. आरोपियों को भी फांसी की सजा मिले. कुनाल वारदात से पहले अपनी दादी को लेकर हॉस्पिटल गया था, और फिर उन्हें घर पर छोड़ कर दूध लेने निकला था जब आरोपियों ने कुनाल को एक विशेष समुदाय के लोगों ने उसे घेरकर बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी. कुनाल की मां का कहना है कि उनके बेटे से ना किसी की दुश्मनी थी ना किसी से कोई बातचीत थी. उसे सिर्फ गिहारा समाज से होने की वजह से मार दिया गया.

पैसे लेकर वोट देने वाले अगले जन्म में कुत्ता-बिल्ली और ऊंट बनेंगे : भाजपा विधायक उषा ठाकुर

एजेंसी

मध्य प्रदेश के इंदौर में भाजपा विधायक उषा ठाकुर ने अजीबोगरीब बयान दिया है. उन्होंने कहा कि जो लोग लोकतंत्र बेचेंगे, वो अगले जन्म में ऊंट, बकरी, भेड़, बिल्ली और कुत्ता जैसे जानवर बनेंगे. उषा ठाकुर ने ये बात महू विधानसभा क्षेत्र के हासल. पुर गांव में उन मतदाताओं के लिए कही जो पैसे, शराब व अन्य लालच में वोट देते हैं. लोगों के इस रवैये पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की. इसका वीडियो भी सामने आया है. उषा ठाकुर ने कहा, भाजपा सरकार की लाड़ली बहना योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लोगों के खाते में पैसे आते हैं. उसके बाद भी अगर 1000–500 रुपये के लालच में वोट बिक जाए तो फिर ये इंसान के लिए डूब मरने की बात है. विधायक ने लोगों से अपील की कि वो लोकतंत्र की रक्षा करें. लोकतंत्र में हम वोट देने जाते हैं तो कोई देखता है क्या?

उस समय आपके साथ केवल भगवान होता है

उन्होंने कहा, वोट डालते समय आप अकेले होते हैं. उस समय आपके साथ केवल भगवान होता है. वोट डालते समय अपना ईमान मत बेचो. वोट भाजपा को ही देना, हमारी पार्टी देश, धर्म और संस्कृति की सेवा करती है.

उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि गिलासधारियों के पैसे, साड़ी, गिलास और दारू लेकर अगले जन्म में ऊंट, बकरी, भेड़, कुत्ते और बिल्ली बनने वाले हैं.

भगवान से मेरी सीधी बातचीत है

विधायक ने कहा कि ये बात नोट कर लो जो लोकतंत्र बेचेंगे वो यही बनने वाले हैं. मेरा यकीन करो, भगवान से मेरी सीधी बातचीत है.

लोकतंत्र हमारा प्राण है. सरकार लोगो. ` की जिंदगी बेहतर करने के लिए कई योजनाएं चला रही है. पूरे 12 महीने जनता की सेवा करती है.

60 की उम्र में पहली शादी, बीजेपी नेता दिलीप घोष के इस फैसले की सामने आई वजह

एजेंसी

पश्चिम बंगाल बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष की शादी ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है. उनकी शादी को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि वे 60 साल की उम्र में अपनी शादी करने जा रहे हैं. उनकी ये पहली ही शादी है. घोष की शादी रिंकू मजूमदार से हो रही है जो बीजेपी की एक्टिव कार्यकर्ता हैं. बीजेपी नेता की शादी को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं, इस बीच उन्होंने शादी करने के पीछे की वजह अपनी मां को बताया है. दिलीप घोष के करीबी लोगों ने बताया कि वे अपनी मां के कहने पर ही शादी कर रहे हैं, उनकी मां लंबे समय से उनसे शादी करने की बात कह रही थीं. करीबी लोगों का दावा है कि उनकी मां ने दिलीप से कहा था कि अगर मैं नहीं रहूंगी तो उनकी देखभाल कौन करेगा? बताया जाता है कि मां की इन्हीं बातों ने 60 साल के दिलीप को शादी करने के लिए मना लिया. आज होने जा रही इस शादी में केवल घोष और मजूमदार परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे. यह शादी घोष के न्यू टाउन स्थित आवास पर ही बहुत सामान्य तरीके से होने वाली है.

दिलीप घोष पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा नाम है. संघ से जुड़े रहते हुए कई बड़े पदों पर काम किया है. दिलीप घोष 1984 में आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हुए थे. बंगाल में बीजेपी के लिए सबसे शानदार समय दिलीप घोष के समय पर ही रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर बीजेपी ने जीत दर्ज की थी. उस समय खुद दिलीप मिदनापुर लोकसभा चुनाव जीतकर आए थे, हालांकि उन्हें साल 2024 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था.

नारायण मूर्ति के 17 महीने के पोते ने कमाए 3.3 करोड़, जानिए कैसे

एजेंसी

क्या आपने कभी सोचा है कि एक 17 महीने का बच्चा करोड़ों कमा सकता है? अब आपके इस सोच पर रोक लग गई है क्योंकि ऐसा हो गया है, जी हां देश के दिग्गज आईटी कंपनी प्दविेले के को–फाउंडर नारायण मूर्ति के 17 महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति ने अब तक कंपनी से 10.65 करोड़ रुपए का डिविडेंड कमा लिया है. हाल ही में आईटी कंपनी ने फाइनेंशियल ईयर 2024–25 के लिए 22 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड डिक्लेयर किया है. इसके कारण उनके पोते को 3.3 करोड़ रुपए और मिलेंगे.

कब मिलेगा डिविडेंड

आईटी कंपनी ने 22 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड अनाउंस किया है. वहीं उनके पोते के पास कंपनी के 15 लाख शेयर हैं, जो कुल हिस्सेदारी का 0.04 प्रतिशत बनता है.

संपादकीय

कूटनीति की कीमत

यूक्रेन में युद्ध अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर रहा है, शांति की गणना युद्ध के मैदान की वास्तविकताओं या लोगों की इच्छा से नहीं, बल्कि भू–राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव से तय होती दिख रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से हाल ही में की गई घोषणा कि अगर कोई ठोस प्रगति नहीं होती है तो वह कुछ ही दिनों में शांति वार्ता से ष्आगे बढ़ सकता हैष् स्वर में एक उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाता है। यह एक गंभीर सत्य को रेखांकित करता हैरू दुनिया के सबसे शक्तिशाली संरक्षकों के धैर्य की भी सीमा होती है, खासकर तब जब उनके रणनीतिक हित खुले संघर्षों के बोझ से अलग होने लगते हैं। यूक्रेन की उम्मीदें लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय समर्थन पर टिकी हुई हैं ‌ न केवल हथियारों और सहायता में बल्कि कूटनीतिक समर्थन में भी। हालाँकि, रूस के साथ युद्ध विराम के लिए मध्यस्थता करने का खुला प्रयास अब गहरे, लेन–देन संबंधी हितों से प्रभावित होता दिख रहा है। वाशिंगटन और कीव के बीच खनिज–आधारित निवेश कोष की दिशा में एक साथ कदम उठाना बताता है। पुनर्निर्माण निधि, जिसे एकजुटता के रूप में तैयार किया गया है, संसाधनों तक पहुँच और प्रमुख बुनियादी ढाँचे पर दीर्घकालिक नियंत्रण से जुड़ी शर्तों के साथ आ सकती है। यह याद दिलाता है कि वैश्विक कूटनीति में, परोपकारिता शायद ही कभी स्वार्थ के साथ होती है। कूटनीति से जल्दबाजी में पीछे हटने से रूस को यह संकेत मिलने का जोखिम है कि रणनी. तिक धैर्य पर बातचीत की जा सकती है, जो संभावित रूप से यूक्रेन की सीमाओं से परे भविष्य की आक्रामकता को बढ़ावा दे सकता है। विशेष रूप से परेशान करने वाली बात यह है कि उभरती हुई कहानी यह है कि शांति कुछ ही दिनों में ष्संभवष होनी चाहिए या पूरी तरह से त्याग दी जानी चाहिए। यूक्रेन के संघर्षों की तरह दृढ़ और भावनात्मक रूप से कच्चे संघर्षों को शायद ही कभी मनमाने समय सीमा से हल किया जाता है। युद्ध विराम, जब मजबूत गारंटी पर आधारित नहीं होते हैं, तो आसानी से जमे हुए संघर्ष या नए सिरे से शत्रुता में बदल सकते हैं। यूक्रेन के लिए, ठोस सुरक्षा आश्वासन के बिना युद्धविराम स्थायी संप्रभुता के मार्ग की तुलना में रूस के लिए एक साम. रिक विराम अधिक है। यह भी बढ़ रहा है कि यूक्रेन को उन शर्तों को स्वीकार करने के लिए उकसाया जा रहा है, जिनका एक अलग रणनीतिक माहौल में वह विरोध कर सकता था। पुनर्निर्माण निधि के माध्यम से पिछले सैन्य सहायता के पुनर्भुगतान की मांगों की रिपोर्ट साझेदारी में बढ़ते असंतुलन का संकेत देती है। एकजुटता की भाषा में तेजी से शर्तें शामिल हो रही हैं। इससे यूक्रेन के युद्ध के बाद के सुधार को संप्रभु पुनर्जन्म के बजाय ऋण–ग्रस्त निर्भरता में बदलने का जोखिम हो सकता है। फिर भी, यूक्रेन एजेंसी के बिना नहीं है। इसके नेताओं को अब व्यावहारिकता और सिद्धांत के बीच एक सावधान रेखा पर चलना चाहिए। पश्चिमी निवेश के वादे को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्तियों पर नियंत्रण के दीर्घकालिक निहितार्थों के खिलाफ तौला जाना चाहिए। युद्ध को समाप्त करने की तात्कालिकता से वार्ताकारों को शांति की लागतों के प्रति अंधा नहीं होना चाहिए जो राष्ट्र की भविष्य की स्वायत्तता को गिरवी रखती है। अंततः, यदि पश्चिम वास्तव में एक स्वतंत्र और संप्रभु यूक्रेन चाहता है, तो शांति को सुविधा की परीक्षा तक सीमित नहीं किया जा सकता है। एक सार्थक समाधान के लिए समय, बारीकियों और यूक्रेन की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए वास्तविक प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी ‌ न केवल इसके खनिजों के लिए। इससे कम कुछ भी न केवल एक सहयोगी के विश्वासघात का जोखिम है, बल्कि उन मूल्यों का क्षरण भी है जिनकी रक्षा संघर्ष को करनी थी।

तमिलनाडु में भाजपा परचम फहराने को तत्पर

यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है।

ललित गर्ग

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी कमज़ोर रही है, लेकिन अब भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ों को न केवल मजबूत करना चाहती है बल्कि दक्षिण के राज्यों में सत्ता पर काबिज भी होना चाहती है। तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल–2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चौन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है। भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा, वर्षों की प्यास को बुझायेगा, कमल खिलायेगा।

यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है। भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय–समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता आसीन हो चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद सत्ता तक नहीं पहुंच पायी है। मोदी के प्रभाव और भाजपा के विशाल संसाधनों के बावजूद तमिलनाडू जीतना उसके लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में यहां कभी भी भाजपा–संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व के उनके संस्करण को स्वीकार नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनी. ति के लिए भी एक बड़ी वैचारिक लड़ाई है। लेकिन इस बार भाजपा की रणनीति एवं तैयारियों एवं मोदी–शाह के संकल्पों एवं इरादों में दम है, तमिलनाडु में आमूल–चूल परिवर्तन होता हुआ दिख रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की राजनी. तिक रणनीति में किये गये बदलाव एवं रणनीतियां एक बड़ा मोड़ है, एक नया उजाला है। राजनीति के चाणक्य अमित शाह का यह भरोसा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और राज्य में सरकार बनाएगा, कोरी हवा में उछाली गयी बात नहीं है।

एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन 1998 से बनते–बिगड़ते रहे हैं। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने और फिर 13 महीने बाद उसे गिराने का श्रेय भी एआईडीएमके को जाता है। जे. जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईडीएमके की नजदीकियां बनी रही। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। 2004 के आम चुनाव में फिर से एआईडीएमके भाजपा के साथ आई लेकिन तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन मोदी–शाह की नजरें हमेशा इस राज्य पर लगी रही। क्योंकि सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका के माध्यम से भारत में पैठ बनाना चाहता है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर विरोध करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है, अनेक संकटों का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने तीसरे कार्यकाल की बड़ी चुनौतियों में बंगाल, तमिलनाडु, केरल को जीतना है। वैसे इन राज्यों में भाजपा की जीत एक करिश्मा ही होगा, लेकिन मोदी–शाह ऐसे आश्चर्यकारी करिश्में घटित करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लड़ाई भी लड़ी जानी है। स्टालिन सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विवादित करने और त्रिभाषा सिद्धांत को हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में प्रचारित करने से केंद्र आहत है, इसीलिये भाजपा अपने राजनीतिक सिद्धांतों, योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को गंभीर चुनौती दे रहे इन नेताओं और दलों को वैचारिक धरातल पर परास्त करने का रास्ता भी खोज रही है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्राओं एवं अन्य चर्चाओं में यह बताते रहे हैं कि पूरे तमिलनाडु की जनता एवं राज्य उनके दिल में हैं, वे उसके कल्याण एवं विकास के लिये तत्पर है। तमिल लोगों के दिलों को जीतने का काम अकेले भाजपा के द्वारा संभव नहीं है, इसीलिये एआईडीएमके की बैशाखियां उसके लिये जरूरी है। भाजपा के राजनीतिक समीकरणों की सार्थक निष्पत्ति का एक हिस्सा है एआईडीएमके और भाजपा के ताजा गठबंधन की घोषणा। इस गठबंधन को सहज बनाने और पार्टी के अनुरूप इसका स्वरूप देने का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, क्योंकि इस बार यह काम उतना आसान नहीं था। शाह एक कद्दावर नेता होने के साथ राजनीतिक गणित को समझने में माहिर है। अमित शाह जमीनी हकीकत से हमेशा वाकिफ रहते हैं। उनके पास तमिलनाडु को लेकर साफ तस्वीरें हैं, सुस्पष्ट एजेंडा है। वह एआईडीएमके के साथ अभी से उदार एवं लचीली सोच से चलना चाहते हैं लेकिन उन्हें अपना लक्ष्य पता है। डीएमके एवं स्टालिन का अहंकार ही उनका मुख्य हथियार होगा। विकास के लिये सत्ता परिवर्तन जनता के लिए यदि जरूरी है तो उसे हासिल करने का तरीका भला अमित शाह से ज्यादा कौन जानता होगा।

तमिल में भाजपा के पांव जमते हुए दिख रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है भाजपा की सोच में बदलाव आना, तमिलों की बारीकियों एवं भावनाओं को समझते हुए राजनीतिक दांव चलना। भाजपा के पास द्रविड़ समाज को आकार देने का भले ही संस्थागत इतिहास नहीं है, लेकिन राज्य के विकास में उसने गहरे संसाधन लगाये हैं। वह एक नया वोट–आधार तैयार कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले मोदी ने काशी और तमिलनाडु के बीच विभेद को खत्म करने की कोशिश की। धार्मिक राजत्व का तमिल प्रतीक सेंगोल संसद में स्थापित किया गया। ऐसे अनेक सकारात्मक प्रयास भाजपा के द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। त्रिभाषा फार्मूला भी तमिल लोगों को भाषा के नाम पर जोड़े रखने का एक उपक्रम है। मोदी और शाह दोनों ने तमिल भाषा के प्रति पार्टी के सम्मान को परिभाषित किया। पिछले दशक का एक बड़ा राष्ट्रीय घटनाक्रम यह रहा है कि भाजपा ने चुपचाप अपने नारे हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान में सुधार किया है। अब वे 'हिंदी और सभी क्षेत्रीय भाषाओं' की बात करते हैं। इन सबके चलते यदि तमिल के जातीय–मतदाता भाजपा को उसके मौजूदा स्वरूप में स्वीकार करेंगे, तब यह भारतीय सेकुलर राजनीति की एक क्रांतिकारी घटना होगी।

शाह की रणनीति सही दिशा में काम कर रही है। बावजूद यह डगर चुनौतीपूर्ण है।

क्योंकि डीएमके दुबारा सत्ता में आने के लिए जो नुस्खा तैयार कर रही है उसमें तमिल स्वाभिमान और भाषा विवाद का घोल मिलाया जा रहा है।

बालों का झड़ना भी रोक सकता है मखाना, जान लें इस्तेमाल का बेस्ट तरीका

मखाने में भरपूर मात्रा में प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं. जो आपके बालों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. इसे खाने से हेयर ग्रोथ पर भी असर होता है. मखाने खाने से बाल मजबूत होते हैं. मखाने में एंटीऑक्सीडेंट्स होते है जोकि बालों के फ्री रेडिकल्स को नुकसान होने से बचाते हैं.

स्वाति सिंह

हेयर फॉल की समस्या से जूझ रहे हैं तो मखाना आपके लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. मखाने में भरपूर मात्रा में प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो आपके बालों को मजबूत और हेयर फॉल को रोकने के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं. मखाने में भरपूर मात्रा में प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं. जो आपके बालों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. इसे खाने से हेयर ग्रोथ पर भी असर होता है. मखाने खाने से बाल मजबूत होते हैं. मखाने में एंटीऑक्सीडेंट्स होते है जोकि बालों के फ्री रेडिकल्स को नुकसान होने से बचाते हैं.

क्या आप जानते हैं कि मखाने मिल्क शेक पीने से बाल झड़ने, त्वचा पर होने वाले पॉल्यूशन, धूप और स्ट्रेस एजिंग भी काफी ज्यादा कम होती है. हेयर फॉल है तो आप मखाने को सीधा खाने के अलावा इसे बालों पर लगा भी सकते हैं. दरअसल, मखाने में आयरन, मैग्नीशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स से भरपूर होते हैं. इसमें काफी मात्रा कैलरी, फैट और सोडियम की मात्रा न के बराबर होती है जोकि स्किन और बालों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं.

हेयर केयर के लिए फायदेमंद है मखाना मिल्क

आप भी इस तरीके के किसी समस्या से परेशान हैं तो हम आपके लिए लाए हैं मखाने का शेक जिसके आप रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल कर सकते हैं. अगर आप हेल्दी स्किन और हेयर केयर चाहते हैं तो एक गिलास मखाना मिल्क आपके लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. इसे पीने के सही समय होता है सुबह खाली पेट.

मखाने में पाए जाने वाली प्रोटीन बाला. ` के लिए फायदेमंद

मखाने में आयरन, मैग्नीशियम और भरपूर मात्रा में प्रोटीन होते हैं जो आपके बालों को सफेद होने से बचाते हैं.

क्या होता है गोंद कतीरा जो गर्मी में शरीर को नेचुरली रखता है ठंडा, जानें इसके बारे में

एजेंसी

गर्मी का मौसम आते ही शरीर को ठंडा रखने के लिए लोग ठंडी चीजें खाते और पीते हैं, जिसमें से एक है गोंद कतीरा. गोंद कतीरा एक ऐसा नेचुरल उपाय है जो शरीर को अंदर से ठंडक देने के साथ–साथ कई सेहतमंद फायदे भी पहुंचाता है? गोंद कतीरा का इस्तेमाल भारत में सदियों से किया जा रहा है. ये एक प्रकार का नेचुरल गोंद है जो खासकर गर्मियों में बहुत फायदेमंद माना जाता है.

हालांकि ज्यादातर लोग सेवन तो करते हैं लेकिन इसके असली फायदे, उपयोग और सेवन के सही तरीके से आज भी अनजान हैं. तो चलिए आज इस आर्टिकल में जानेंगे कि गोंद कतीरा क्या होता है, इसे कैसे इस्तेमाल करें और ये शरीर को गर्मी में कैसे ठंडक पहुंचाता है.

गोंद कतीरा क्या है?

गोंद कतीरा एक प्रकार का नेचुरल गोंद होता है, जो कटीरा पेड़ के तनों से निकलता है. ये देखने में ट्रांसपेरेंट, हल्का सफेद या पीला होता है और जब इसे पानी में भिगोया जाता है, तो ये फूलकर एक जेल और खिसे हुए बर्फ जैसा लगने लगता है.

गर्मियों में शरीर को ठंडक कैसे देता है?

गोंद कतीरा की तासीर बहुत ठंडी होती है. ये शरीर की अंदर की गर्मी को बैलेंस करता है और लू से बचाव करता है. ये डिहाइड्रेशन को रोकने में मदद करता है और पेट को ठंडा रखता है. गर्मी के मौसम में इसे रोजाना सुबह भिगोकर पानी या शरबत में मिलाकर पीना बहुत

लाभकारी होता है.

गोंद कतीरा के सेहत से जुड़े फायदे

1. डिहाइड्रेशन से बचाता है– गर्मी में शरीर से पसीने के रूप में पानी निकलता रहता है, जिससे कमजोरी आती है. गोंद कतीरा शरीर में पानी की क्वांटिटी बनाए रखता है.

2. पाचन तंत्र को सुधारता है– गोंद कतीरा में फाइबर की मात्रा अच्छी होती है. इसे पाचन तंत्र को दुरुस्त करने में हेल्प करता है, जिससे पेट साफ रहता है और कब्ज जैसी समस्याओं में राहत मिलती है.

3. त्वचा को नमी देता है– गोंद कतीरा स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है. ये त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करता है और गर्मियों में होने वाली ड्रायनेस व फुंसियों से बचाता है.

4. महिलाओं के लिए फायदेमंद– गोंद कतीरा हार्मोन बैलेंस करने में मदद करता है और मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं में भी लाभ पहुंचाता है. इसी वजह से महिलाओं को इसका सेवन जरूर करना चाहिए.

गर्मियों के मौसम में गोंद कतीरा का सेवन खूब किया जाता है. इससे शरीर को ठंडा रखने में मदद मिलती है. भले ही लोग इसका सेवन करते हो लेकिन इसके बारे में कुछ बाते नहीं जानते हैं. चलिए आज इस आर्टिकल में हम आपको गोंद कतीरा से जुड़ी जरूरी बाते बताने जा रहे हैं.

गोंद कतीरा पीने का तरीका

एक चम्मच गोंद कतीरा को रातभर पानी में भिगो दें. सुबह यह फूलकर जेल जैसा बन जाएगा. इसे छानकर शरबत, दूध, नींबू पानी या सत्तू में मिलाकर पी सकते हैं. चाहें तो गुलाब जल और थोड़ी सी मिश्री मिलाकर भी इसका हेल्दी ड्रिंक बना सकते हैं.

गोंद से कितना अलग होता है गोंद कतीरा

गोंद कतीरा एक ठंडी तासीर वाला गोंद होता है जो खास तौर पर गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए उपयोग में लाया जाता है. इसे पानी में भिगोने पर ये फूलकर एक जैली जैसी बनावट ले लेता है, और इसका सेवन शरबत, सत्तू या दूध के साथ किया जाता है. ये शरीर को ठंडक पहुंचाने, पाचन सुधारने और डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है. वहीं गोंद जैसे गोंद बाबूल या गोंदरोजा गर्म तासीर वाले होते हैं और इनका उपयोग सर्दियों में ज्यादा किया जाता है. इन्हें लड्डू, पंजीरी, हलवा जैसे चीजें बनाने में इस्तेमाल करते हैं. ताकि शरीर को एनर्जी और गर्माहट मिल सके. ये हड्डियों की मजबूती, कमजोरी से राहत दिलाता है.

गर्मियों में किशमिश को खाने का जान लीजिए तरीका नहीं तो हो सकता है नुकसान

एजेंसी

गर्मी का मौसम आ चुका है इस दौरान शरीर में पानी की कमी न हो इसलिए हमें अपना खानपान और लाइफस्टाइल पर खास ध्यान देना चाहिए. क्योंकि यह मौसम ऐसा जिसमें तबीयत के खराब होने का खतरा ज्यादा रहता है. गर्मी में आप ड्राई फ्रूट्स खाते हैं तो आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए. आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए विस्तार से बताएंगे कि इस मौसम किशमिश किस तरीके से खाने चाहिए?

किशमिश सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. मार्केट में कई तरह के किशमिश मिलते हैं. जिसे आप कई तरीके से खा सकते हैं. गर्मियों में अक्सर भिगोए हुए किशमिश खाने चाहिए जोकि आपके हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. दरअसल, किशमिश की तासीर गर्म होती है ऐसे में इसे कच्चा खाएंगे तो आपके शरीर का तापमान बढ़ सकता है. जानें गर्मी में इस ड्राई फ्रूट को खाते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

एक दिन में कितने किशमिश खाने चाहिए?

ड्राई अंगूर यानी किशमिश में काफी ज्यादा आयरन, फाइबर और पोटैशियम होता है. इसे खाने से हीमोग्लोबीन भी बढ़ाता है. किश. मिश पुरुषों के हेल्थ के लिए भी काफी अच्छा होता है. जयपुर की आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. किरण गुप्ता ने बताया कि चाहे बच्चे हो या बड़े गर्मी में भी लोग 10 किशमिश खा सकते हैं. पर ध्यान रहे कि इसे भिगोना जरूरी है. इससे ज्यादा आप खाएंगे तो यह आपकी सेहत के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है.

किशमिश वाली पानी

गर्मियों में कभी भी आप किशमिश खाते हैं तो कच्चा न खाएं क्योंकि इसे पानी में भिगोकर खाएं. इसके लिए आप पूरी रात किशमिश को साफ पानी में भिगोकर रख दें और फिर उसे छानकर अच्छे तरीके से पी लें. किशमिश का पानी आपके पेट और पाचन के लिए के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है.

किशमिश पानी पीते हुए समय और मात्रा का ध्यान रखें

किशमिश का पानी सुबह खाली पेट पीने की सलाह दी जाती है. यह पूरे हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. गर्मियों के दौरान काफी ज्यादा ड्राई फ्रूट्स नहीं खाना चाहिए. भिगोए हुए किशमिश को आप अपने सलाद के ऊपर डालकर भी खा सकते हैं.

वजन कंट्रोल

भीगे हुए किशमिश में काफी ज्यादा मात्रा में फाइबर होता है जो आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ लगता है. अनहेल्दी स्नैकिंग की जगह किशमिश खा सकते हैं. गर्मियों में भिगोए हुए किशमिश खाते हैं तो आपका शरीर पुरे हाइड्रेटेड रहता है.

किन फलों और सब्जियों को एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए? अब जान लीजिए

एजेंसी

फल और सब्जियां दोनों ही हमारे रोजाना की खानपान की हिस्सा हैं. इन्हें खाने से शरीर को जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स मिलते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि रोजाना फल और सब्जियों को डाइट में शामिल करें.

लेकिन इन दोनों को हमें सही तरीके से स्टोर करना बेहद जरूरी माने जाते हैं. कुछ लोगों के घरों में फल और सब्जियां हफ्तेभर के लिए ही आ जाती हैं. कई बार लोग इन दोनों ही चीजों को एक साथ स्टोर कर देते हैं. लेकिन आपको ऐसा करने से सावधान हो जाना चाहिए. बता दें कि कुछ सब्जियों और फलों को एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए.

आलू और प्याज

ज्यादातर घरों में आलू और प्याज को एक साथ रख दिया जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन दोनों ही सब्जियों को एक साथ नहीं स्टोर करना चाहिए. प्याज के साथ आलू रखने ये यह जल्दी अंकुरित हो जाते हैं.

प्याज से एथलीन गैस निकलती है. यही वजह है कि आलू जल्दी खराब होने लगते हैं. वहीं, आलू से नमी निकलने के कारण प्याज भी गलने लगते हैं.

दिल्ली कैपिटल्स की टीम में 'मारिया शारापोवा', मैदान पर सबकुछ झोंकने को तैयार, आईपीएल 2025 जिताने का इरादा

मारिया शारापोवा. टेनिस की दुनिया का एक बड़ा नाम है. आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के पास भी मारिया शारापोवा है, जो खिताब जिताने को बेताब है. तो क्या आईपीएल की इस फ्रेंचाइजी ने उनसे करार किया है? आइए जानते हैं.

एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स में 'मारिया शारापोवा'. क्या हुआ सोच में पड़ गए कि टेनिस की लेजेंड का आईपीएल में क्या काम? क्यों आईं मारिया आईपीएल 2025 में दिल्ली का हाथ थामने, ये सोच रहे हैं? तो बता दें कि यहां मारिया शारापोवा से मतलब, महान महिला टेनिस खिलाड़ी से नहीं बल्कि उस क्रिकेटर से है, जिसका निकनेम मरिया शारापोवा है.

अब आप कहेंगे कि ऐसा भी कहीं निकनेम होता है भला? तो इस दिलचस्प निकनेम के पीछे की वजह हैं एमएस धोनी. ये मारिया शारापोवा नाम आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स से खेल रहे खिलाड़ी को धोनी की ही देन है.

मोहित शर्मा का निकनेम 'मारिया शारापोवा' मारिया शारापोवा निकनेम वाले दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी का असली नाम मोहित शर्मा है. मोहित ने दिए इंटरव्यू में अपने मारिया शारापोवा निकनेम का खुलासा किया.

उन्होंने बताया कि धोनी ने क्यों उन्हें ये निकनेम दिया? दरअसल मोहित गेंदबाजी के दौरान वैसी ही तेंज आवाज निकालते हैं, जैसे मारिया शारापोवा या दूसरे टेनिस खिलाड़ी निकालते हैं. बस इसी वजह से धोनी ने मोहित शर्मा को मारिया शारापा. `वा बुलाना शुरू कर दिया.

हालांकि, तेज आवाज निकालने के पीछे मोहित शर्मा का अपना तर्क है.

उनके मुताबिक वो ये आवाज निकाल. कर बल्लेबाजों को ये जताने का ऐहसास कराते हैं कि गेंद की स्पीड 140–150 ाउची रहने वाली है, जो कि होता नहीं है.

आईपीएल 2025 में मोहित का प्रदर्शन

आईपीएल 2025 में शुरू से ही मोहित शर्मा दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा है. इस फ्रेंचाइजी ने मेगा ऑक्शन में मोहित शर्मा को 2.2 करोड़ रुपये में खरीदा है. आईपीएल 2025 में मोहित शर्मा के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक टीम के सभी 6 मुकाबले खेले हैं. हालांकि इनमें उनकी गेंदबाजी की धार वैसी नहीं दिखी, जैसी उनसे उम्मीदें हैं. दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले शुरुआती 6 मुक. ाबलों में मोहित शर्मा बस 2 विकेट ही ले सके. मतलब वो पर्पल कैप जीतने की रेस में काफी पीछे हैं.

अनुभव से जिता सकते हैं आईपीएल 2025 का खिताब

मोहित शर्मा का मौजूदा फॉर्म भले ही उतना बेहतर नहीं दिखा हो. लेकिन उनके पास आईपीएल का अपार अनुभव है. उस अनुभव के दम पर निकनेम मारिया शारापोवा रखने वाले मोहित शर्मा अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स को प्च्स् 2025 का खिताब जिताने के लिए जान झोंकते जरूर दिखेंगे. दिल्ली कैपिटल्स के लिए फिलहाल अच्छी बात ये है कि वो प्ले ऑफ की रेस में सबसे आगे दौड़ रही है.

वो 11 बरस की, ये 13 बरस का... रोमांचक है किरायेदार की बेटी के साथ इस स्टार क्रिकेटर की प्रेम कहानी

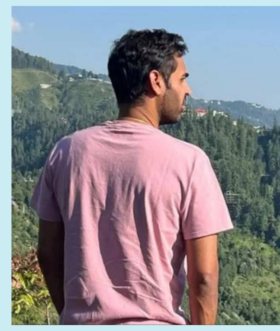

एजेंसी

वो 11 बरस की, ये 13 बरस का३ जी हां, यही वो उम्र थी, जब से दोनों एक–दूसरे को जानते हैं. जब दोनों ने एक दूसरे को पहली बार देखा था. शुरुआत तो दोस्ती से हुई थी लेकिन बचपन की वो दोस्ती कब प्यार में बदली और फिर बात शादी तक आ गई, दोनों को पता ही नहीं चला. ये रोमांचक प्रेम कहानी है आईपीएल 2025 में त्ब्ठ के लिए खेल रहे स्टार क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार की.

भुवी की कहानी जितनी जबरदस्त आईपीएल में उनके सबसे सफल तेज गेंदबाज बनने की है, उतनी ही दिलचस्प प्यार की पटरी पर चलकर कामयाबी हासिल करने की भी. तो नुपुर के साथ उनकी प्रेम कहानी शुरू कैसे हुई आइए जानते हैं.

भुवी के घर किराए पर रहने आया था नुपुर का परिवार

भुवनेश्वर कुमार मेरठ से है. वहीं उनका अपना घर है. जबकि, नुपुर, जो आज की तारीख में उनकी पत्नी बन चुकी हैं, उनके पापा का ट्रांसफर वाला जॉब था. वो देहरादून में पोस्टेड थे, जहां से उनका तबादला मेरठ हुआ था. ट्रांसफर होने के बाद मेरठ में नुपुर के पापा, जो अब भुवनेश्वर कुमार से ससुर हैं, वो अपने लिए किराए पर घर तलाश रहे थे. उस तलाश में उन्होंने भुवनेश्वर के घर का दरवाजा भी खटखटा दिया. भुवी के घर आकर नुपुर के पिता जी के किराए के घर की तलाश खत्म हुई.

11 बरस की नुपुर, 13 बरस के भुवी३ जब पहली बार मिले दोनों

मेरठ में घर मिलने के बाद नुपुर और उनकी पूरी फैमिली वहां रहने आ गई. वही वो समय था जब पहली बार भुवी और नुपुर ने एक दूसरे को देखा था. नुपुर की उम्र 11 साल की थी और भुवनेश्वर कुमार 13 साल के थे. इस पूरे घटनाक्रम का जिक्र करते हुए भुवनेश्वर और नुपुर के एक इंटरव्यू की क्लिप भी सोशल मीडिया पर वायरल है. रणवीर इलाहाबादिया को दिए उस इंटरव्य में नुपुर को ये कहते भी सुना जा सकता है कि उन्होंने भुवी को जब भी देखा हाथ घुमाते ही देखा. फिर वैसा वो घर के किसी कोने में कर रहे हों या घर से बाहर.

बीसीसीआई की बड़ी कार्रवाई, गौतम गंभीर के करीबी को टीम इंडिया से निकाला, इन 2 कोच की भी हुई छुट्टी, जानिए वजह

आईपीएल 2025 के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया पर बड़ी कार्रवाई की है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बोर्ड ने गौतम गंभीर के करीबी और भारतीय टीम के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर को निकाल दिया है.

आईपीएल 2025 के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया पर बड़ी कार्रवाई की है. मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बोर्ड ने गौतम गंभीर के करीबी और भारतीय टीम के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर को निकाल दिया है. ऑस्ट्रेलिया में इस साल खत्म हुई बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान हुए खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रूम से लीक हुई बातों को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने ये कड़ा कदम उठाया है. अभिषेक नायर के अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई की भी टीम से छुट्टी हो गई है. रिपोर्ट के मुताबिक दोनों 3 साल से ज्यादा समय से टीम से जुड़े हुए थे. इसलिए नियमों के अनुसार अब उनकी जगह नई भर्ती की जाएगी.

कौन लेगा नायर की जगह?

चौंपियंस ट्रॉफी जीतने के बावजूद,बीसीसीआई ने सिर्फ 8 महीने के भीतर अभिषेक नायर को बाहर का रास्ता दिखा दिया है. रिपोर्ट की मानें तो फिलहाल अभिषेक नायर और फील्डिंग कोच टी दिलीप की जगह किसी भी दूसरे कोच को नहीं लाया जाएगा, क्योंकि सीतांशु कोटक पहले से ही बैटिंग कोच के तौर पर टीम से जुड़े हुए हैं. वहीं रायन टेन डेश्काटे असिस्टेंट कोच की भूमिका निभा रहे हैं और उन्हें फील्डिंग कोच की भी जिम्मेदारी दी जा सकती है.

हालांकि, टीम इंडिया के ट्रेनर सोहम देसाई की जगह एक भर्ती की जा सकती है. उनकी जगह एड्रियन ले रॉक्स ले सकते हैं. फिलहाल वो आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के साथ जुड़े हुए हैं. इससे पहले वो कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ भी काम कर चुके हैं. बता दें कि बीसीसीआई की ओर से इनमें से किसी भी फैसले की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. अभी उसकी तरफ से आधिकारिक पुष्टि आना बाकी है.

फिलहाल ट्रेनिंग असिस्टेंट राघवेंद्र, दयानंद गरानी, फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन, मसाजर अरुण कनाडे, चेतन कुमार, राजीव कुमार, टीम ऑपरेशन्स मैनेजर सुमित मल्लापुरकर, एक सिक्योरिटी मैनेजर समेत और कई लोग टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ के तौर पर शामिल हैं.

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में भी हो सकते हैं बड़े बदलाव

आईपीएल 2025 के ओपनर सेरेमनी के दिन बीसीसीआई की एपेक्स कमेटी की बैठक हुई थी.

शूटिंग विश्व कपः सुरूचि, सौरभ की जोड़ी ने लीमा में स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

सुरुचि और सौरभ चौधरी की जोड़ी ने पेरू के लीमा में अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/ शॉटगन में स्वर्ण पदक जीता, उन्होंने याओ कियानक्सुन और हू काई की चीनी जोड़ी को 17–9 से हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम का खिताब जीता।

यह किशोरी सुरुचि का तीसरा आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण और सौरभ का नौवां स्वर्ण था, जिसमें मिश्रित टीम विश्व कप रजत के साथ उनका पांचवां मिश्रित टीम स्वर्ण भी शामिल है।

इस जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में संयुक्त 580 अंकों के साथ लास पालमास रेंज में स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाई, जिसम. ` सुरुचि ने सौरभ को कुछ अंकों से पीछे छोड़ा।

चीनी जोड़ी 585 अंकों के साथ शीर्ष पर रही। निर्णायक मैच में भी चीनी जोड़ी ने 2–6 और 4–8 की बढ़त के साथ बढ़त हासिल की, लेकिन भारतीय कोच समरेश जंग द्वारा बुलाए गए टाइम आउट ने मैच की गति बदल दी।

सुरुचि ने पूरे मैच में शानदार शॉट लगाए और दो बार जब वह 10–रिंग से चूक गईं, तो उनके टोक्यो ओलंपियन साथी ने हाई 10 के साथ भरपाई की, जिसमें मैच के अपने पहले हिट के लिए 10.9 शामिल थे।

इस जोड़ी ने 10वीं सीरीज में सिंगल शॉट की पहली सीरीज के बाद खोई हुई बढ़त हासिल कर ली, आठवीं सीरीज में बराबरी के बाद स्कोर 9–9 होने के बाद 11–9 से आगे हो गई।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 15 वर्षीय लेखिका लारन्या आर. कुमार की पुस्तक का विमोचन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आयोजित एक समारोह में 15 वर्षीय लारन्या आर. कुमार द्वारा लिखित पुस्तक "द लैंड ऑफ सोल्स"–ए टेल ऑफ एडवेंचर एंड डिस्कवरी का विमा. `चन किया।

इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू, जम्मू विष्वविद्यालय के उपकुल. पति प्रो. उमेश राय, युवा लेखिका स्वयं, अपने परिजनों और मित्रों के साथ उपस्थित थीं।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने लारन्या को इतनी कम उम्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी और इस बात की सराहना की कि युवा लेखिका ने 13 वर्ष की आयु में ही पुस्तक लिखना शुरू कर दिया था, जिसमें इस तरह के गहन प्रश्नों की खोज की गई है कि क्या हम ब्रह्मांड में अकेले हैं या क्या किसी अन्य दुनिया में जीवन हमें देख रहा है।

उन्होंने कहा, "उसने न केवल इन संभावनाओं की कल्पना करने का साहस किया, बल्कि उन्हें एक सम्मोहक कथा में भी बदल दिया। जिस उम्र में कई लोग अभी भी खुद को खोज रहे हैं, उसने हमें कल्पना और जिज्ञासा से पैदा हुई एक किताब भेंट की है।" पुस्तक विमोचन में भाग लेने का कारण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं यहाँ इसलिए आया हूँ क्योंकि मेरा मानना है कि लारन्या जैसी उपलब्धियों का जश्न मनाया जाना चाहिए। मैं पाठकों को बताना चाहता हूँ कि उसने जो हासिल किया है, वह वास्तव में सराहनीय है।" उन्होंने न केवल अपने साथियों के लिए बल्कि पुरानी पीढ़ियों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण स्थापित करने के लिए लारन्या की सराहना की।

उन्होंने कहा, "उसने अत्यधिक अनुशासन और अपनी कल्पना को समाज द्वारा अक्सर लगाए जाने वाले सीमाओं से परे जाने का साहस दिखाया है।"

मुख्यमंत्री ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि लारान्या पहले से ही और पुस्तकों पर काम कर रही हैं। "मैं अगली पुस्तक और उसके बाद की पुस्तक पढ़ने के लिए उत्सुक हूँ। मुझे पूरी उम्मीद है कि उनका काम अन्य युवाओं को पढ़ने के लिए प्रेरित करेगा, क्योंकि पढ़ने की आदत, एक बार बचपन में विकसित हो जाने पर, जीवन भर हमारे साथ रहती है।"

उन्होंने युवा पीढ़ी से पढाई को अपनाने का आग्रह किया, क्योंकि यह न केवल दृष्टिकोण को व्यापक बनाता है बल्कि लारान्या जैसे उभरते लेखकों को खुद को अभिव्यक्त करने और अपनी कहानियों को दुनिया के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कश्मीर के साथ पाकिस्तान का एकमात्र रिश्ता अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्रों को खाली करना है : भारत

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारत ने आज कश्मीर पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख की टिप्पणी को खारिज कर दिया और कहा कि कश्मीर के साथ पाकिस्तान का ष्एकमात्र संबंधष अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों को खाली करना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मुद्दे पर सवालों का जवाब देते हुए एक ब्रीफिंग में कहारू

ष्कोई विदेशी चीज़ कैसे गले में अटक सकती है?

यह भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश है। पाकिस्तान के साथ इसका एकमात्र संबंध उस देश द्वारा अवैध रूप से कब्ज़ा किए गए क्षेत्रों को खाली करना है। उनका यह बयान पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा कश्मीर को पाकिस्तान की गले की नस बताए जाने के बाद आया है।

डीडीसी उधमपुर ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत प्रगतिशील मछुआरों को ई-रिक्शा की चाबियां सौंपी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

उधमपुर : जिला विकास आयुक्त सलोनी राय ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत जिले के प्रगतिशील मछुआरों को तिपहिया ई–रिक्शा की चाबियां और आइस बॉक्स सौंपे। लाभार्थियों से बातचीत करते हुए जिला विकास आयुक्त ने उन्हें बधाई दी और मत्स्य पालन क्षेत्र को समर्थन देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मत्स्य पालन विभाग कार्प तालाबों, ट्राउट रेसवे और बैकयार्ड मिनी–आरएएस इकाइयों के निर्माण के माध्यम से रोजगार पैदा करने के अलावा मछली पालकों और मछुआरों को तिपहिया ई–रिक्शा प्रदान करके वित्तीय और रसद सहायता भी दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य मछली और मछली उत्पादों के लिए विपणन और परिवहन बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। ई–रिक्शा के प्रावधान से मछुआरे अपने उत्पादों को नजदीकी बाजारों में अधिक कुशलता से ले जा सकेंगे, जबकि आइस बॉक्स यह सुनिश्चित करेंगे कि पारगमन के दौरान मछली की ताजगी और गुणवत्ता बनी रहे।

लाभार्थियों ने इस सहायता के लिए सरकार और जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिससे उनकी आय–सृजन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और आजीविका में सुधार होगा।

17वीं जूनियर नेशनल सुपर सेवन क्रिकेट चौंपियनशिप

खेल प्रगतिशील, अनुशासित और नशा मुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : टोनी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जम्मू के एम.ए.एम. स्टेडियम में 17वीं जूनियर नेशनल सुपर सेवन क्रिकेट चौंपियनशिप का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया, जिसमें खेल भावना और युवा सशक्तिकरण की भावना ने मुख्य भूमिका निभाई।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और डीडीसी सदस्य सुच. `तगढ़ तरनजीत सिंह टोनी मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने संयोजक चरणजीत सिंह रैना, राज्य समन्वयक जसमीत सिंह, एस जतिंदर सिंह, सुरिंदर सिंह, वरयाम सिंह, उपेंद्र सिंह और अजय शर्मा की मौजूदगी में चौंपियनशिप का उद्घाटन किया। यह चौंपियनशिप रिधिमा स्पोर्ट्स क्लब इंडिया द्वारा सुपर सेवन क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित की जा रही है, जिसमें देश भर के उभरते क्रिकेटरों ने भाग लिया

और असाधारण प्रतिभा और टीम भावना का प्रदर्शन किया।

आज राजस्थान और आंध्र प्रदेश के बीच मैच खेला गया। इसके अलावा, जम्मू–कश्मीर, एनसीआर, पंजाब, पुडुचेरी, दिल्ली, यूपी, लद्दाख, हरियाणा, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़ और महाराष्ट्र के उभरते क्रिकेटर भी भाग ले रहे हैं। अपने संबोधन में टोनी ने अनुशासित, स्वस्थ और भविष्य के लिए तैयार नागरिकों को आकार देने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने युवा क्रिकेटरों को राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करने और क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी खेलों की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आयोजकों की सराहना की।

उन्होंने कहा, ष्खेल न केवल शारीरिक सहनशक्ति का निर्माण करते हैं, बल्कि टीम वर्क, नेतृत्व और लचीलापन जैसे मूल्यों को भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की चौंपियनशिप जमीनी स्तर की प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में महत्वपूर्ण हैं।

अरविंद गुप्ता ने गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, तालाब तिल्लो में हिमालयी विरासत प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अरविंद गुप्ता ने आज गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, तालाब तिल्लो, जम्मू में हिमालयन हेरिटेज म्यूज़ियम (पंजीकृत) द्वारा आयोजित एक रंगीन प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस आयोजन में छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के सदस्य बड़े उत्साह से शामिल हुए, और जम्मू और कश्मीर क्षेत्र की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को मनाया।

प्रदर्शनी में विरासत से संबंधित विभिन्न कलाकृतियों, पारंपरिक हस्तशिल्प और दुर्लभ छायाचित्रों का संग्रह प्रदर्शित किया गया, जो जम्मू और कश्मीर की सांस्कृतिक विविधता और समृद्धि को उजागर करते हैं।

अरविंद गुप्ता ने हिमालयन हेरिटेज म्यूज़ियम के अध्यक्ष सरदार इंदर सिंह की सराहना की, जिन्होंने इस प्रदर्शनी को सफलतापूर्वक आयोजित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करती हैं, बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अनुभव भी बनाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है और उन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व होता है।

उद्घाटन के बाद, अरविंद गुप्ता ने विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों से संवाद किया। उन्होंने विद्यालय के शैक्षिक और भौतिक बुनियादी ढांचे का जायज़ा लिया। इस बातचीत के दौरान कक्षाओं, शौचालय सुविधाओं, खेल और डिजिटल शिक्षा के संसाधनों की ज़रूरतों पर चर्चा हुई।

विधायक ने इन समस्याओं का समाधान शीघ्र करने का आश्वासन दिया और कहा, षशिक्षा सिर्फ एक मौलिक अधिकार नहीं है, यह एक सशक्त समाज की नींव है। हमारे बच्चों को सर्वोत्तम सुविधाएं और अवसर मिलना चाहिए ताकि वे आत्मविश्वासी और सक्षम नागरिक बन सकें।ष

इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष कुशांत प्रजापति, गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, तालाब तिल्लो के प्रधानाचार्य डॉ. करतार चंद शर्मा, भाजपा कार्यकर्ता मोहित वैद, बबलू चंद, दीपक कुमार, विकास गुप्ता, भूपिंदर गुप्ता, अरुण दुबे और अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सकीना इत्तू ने एम्स जम्मू में व्यापक जागरूकता और बेहतर पहुंच पर जोर दिया

एम्स जम्मू के कामकाज की समीक्षा की, संस्थान की आदर्श स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में क्षमता की सराहना की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

विजयपुर : स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने एम्स जम्मू में दी जा रही चिकित्सा देखभाल सेवाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए बेहतर सार्वजनिक पहुंच और आक्रामक जनपहुंच अभियान पर जोर दिया।

मंत्री ने एम्स जम्मू के कामकाज की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात की।

बैठक में सांबा के उपायुक्त राजेश शर्मा, एम्स जम्मू के कार्यकारी निदेशक और सीईओ डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता, नए जीएमसी के समन्वय निदेशक डॉ. मुश्ताक अहमद, एम्स जम्मू के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर, डॉक्टर तथा अन्य संबंधित वरिश्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सकीना ने एम्स जम्मू की वर्तमान परिचालन स्थिति का आकलन किया, इसके अलावा उन्होंने सुविधा में चल रहे कई कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। मंत्री ने इस प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जनता के बीच जागरूकता को अधिकतम करने की रणनीतियों पर भी चर्चा की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एम्स जम्मू की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि यह एम्स दिल्ली के बाद उत्तर भारत में स्वास्थ्य सेवा के मामले में सबसे बेहतरीन संस्थानों में से एक है। "एम्स जम्मू सिर्फ एक अस्पताल या एक शैक्षणिक संस्थान नहीं है, बल्कि यह उम्मीद का प्रतीक है, जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए उन्नत स्वास्थ्य सेवा का एक प्रकाश स्तंभ है।" बाद में, सकीना इत्तू ने संस्थान के विभिन्न अनुभागों का व्यापक दौरा भी किया।

उन्होंने अकादमिक ब्लॉक, कन्वेंशन सेंटर, सेंटर फॉर एडवांस्ड जीनोमिक्स एंड प्रिसिजन मेडिसिन, लाइब्रेरी, आउटपेशेंट डिपार्टमेंट, इनपेशेंट डिपार्टमेंट, इमरजेंसी डिपार्टमेंट, रेडियोडायग्नोसिस यूनिट सहित एमआरआई, एक्स–रे और फ्लोरोस्कोपी सेक्शन का दौरा किया।

उन्होंने इस प्रतिष्ठित संस्थान में चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण में विष्व स्तरीय मानकों को बनाए रखने पर संतोष व्यक्त किया। संस्थान के दौरे के दौरान, सकीना ने पूरे क्षेत्र में निर्बाध रेफरल सिस्टम और बेहतर रोगी परिणाम सुनिश्चित करने के लिए एम्स जम्मू और परिधीय स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के बीच एकीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला।

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर जम्मू में भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जम्मू–कश्मीर भाजपा उपाध्यक्ष युद्धवीर सेठी (विधायक) ने किया, उनके साथ अरविंद गुप्ता (विधायक) और भाजपा एनईएम प्रिया सेठी भी मौजूद थे। इसका आयोजन भाजपा जिला जम्मू के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश गुप्ता और भाजपा जिला जम्मू दक्षिण के अध्यक्ष नरेश सिंह जसरोटिया ने किया।

इस अवसर पर अयोध्या गुप्ता, वीनू खन्ना, एडवोकेट सहित सैकड़ों भाजपा नेता मौजूद थे। पूर्णिमा शर्मा, डॉ. प्रदीप महोत्रा, संजीता डोगरा, रणजोध सिंह नलवा, सुनील प्रजापति, बावा शर्मा, संजय बारू, पुनीत महाजन, संजीव शर्मा, विनय गुप्ता, दिलबहादुर जम्वाल, अनु गुप्ता, परवीन केरनी, रमेश गुप्ता, नेहा महाजन, रीमा पाधा, रेखा महाजन, केशव चोपड़ा, गुलशन भगत, सुरिंदर शर्मा, दिनेश गुप्ता, सुनीत रैना, आदर्श जठियार, कुशांत प्रजा. पति, विवेक पटयाल, कुलबीर चरक, राहुल कुमार, गीतांजलि महाजन, स्वाति शर्मा, अरुण सेठी और अन्य ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस का पुतला फूंका गया.

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए युद्धवीर सेठी ने कानून के पाठ्यक्रम को प्रभावित करने की कोशिश करने के शर्मनाक व्यवहार के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाया है. अब देश के 'कानून' के साथ सहयोग करने के बजाय गांधी परिवार अपनी चोरी को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। युद्धवीर सेठी ने कहा, "कांग्रेस पार्टी नेशनल हेराल्ड को पैसे कमाने की मशीन के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जिसके जरिए उसने करोड़ों गरीब लोगों का खून चूसा है।" अरविंद गुप्ता ने यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के जरिए धन और संपत्ति के दुरुपयोग के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी प्रमुख शेयरधारक हैं। "यंग इंडियन ने उचित कानूनी और वित्तीय प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए हजारों करोड़ की संपत्तियां हासिल कीं। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ईडी ने कांग्रेस नेताओं को फंसाया है, जो अब परिणाम को प्रभावित करने के लिए बेताब प्रयास कर रहे हैं", अरविंद गुप्ता ने कहा। प्रिया सेठी ने कांग्रेस नेताओं पर अपने स्वार्थों को राष्ट्र से ऊपर रखने का आरोप लगाया। उन्होंने उन पर देश और उसके निवासियों की पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगाया, जिसने दशकों तक दलितों को 'उपेक्षित और उत्पीड़ित' रखा और अब न्यायिक प्रक्रिया में देरी करने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में व्यापक बारिश, गुलमर्ग में सबसे अधिक बारिश दर्ज

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : मौसम विभाग ने गुरुवार को बताया कि पिछले 24 घंटों में जम्मू–कश्मीर के कई हिस्सों में व्यापक बारिश हुई और उत्तरी कश्मीर के पर्यटन स्थल गुलमर्ग में सबसे अधिक बारिश हुई। मौसम विभाग ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में अगले 24 घंटों के दौरान 30–40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने के साथ हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों में मौसम की स्थिति और अधिक सक्रिय होने की उम्मीद है, तथा जम्मू–कश्मीर में व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया कि 18 और 19 अप्रैल को कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 18 अप्रैल की शाम से गरज और तेज हवाएं चलने की संभावना है जो 20 अप्रैल की देर रात तक जारी रहेंगी।

मौसम विभाग ने बताया कि बारामुल्ला जिले के पर्यटन स्थल गुलमर्ग में सबसे अधिक 39.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में 17.9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड और पहलगाम में क्रमशः 20.8 मिमी और 16.0 मिमी बारिश हुई।

उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा और दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग में 10.8 मिमी और 22.0 मिमी बारिश दर्ज की गई।

जम्मू संभाग में कुछ इलाकों में बारिश ज़्यादा हुई। जम्मू शहर में 32.6 मिमी बारिश हुई। बनिहाल संभाग में सबसे ज़्यादा बारिश वाले इलाकों में से एक रहा, जहां 24.0 मिमी बारिश हुई।

मौसम विभाग के आंकड़ों से यह भी पता चला कि बटोटे और भद्रवाह में 17.2 मिमी और 10.3 मिमी बारिश हुई।

चार भारतीय ग्रे भेड़ियों को गुजरात से जम्मू चिड़ियाघर में स्थानांतरित किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : वन्यजीव संरक्षण विभाग को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि जम्मू चिड़ियाघर में भारतीय ग्रे भेड़ियों के दो जोड़े सफलतापूर्वक स्थानांतरित हो गए हैं। भेड़ियों को सक्करबाग जूलॉजिकल पार्क, जूनागढ़, गुजरात द्वारा जम्बू चिड़ियाघर से तेंदुआ बिल्लियों के एक जोड़े के बदले में दान किया गया था।

भारतीय रेलवे द्वारा परिवहन की सुविधा प्रदान की गई, जिससे पशु चिकित्सा यात्री इकाइयों (वीपीयू) के माध्यम से भेड़ियों के लिए एक सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हुई। पूरे पारगमन के दौरान, तनाव को कम करने और जानवरों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत सावधानी बरती गई।

आगमन पर, भेड़ियों को जम्बू चिड़ियाघर में दो सप्ताह की अनिवार्य संगरोध देखभाल और निरीक्षण अवधि के तहत रखा गया है। चिड़ियाघर के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजीत सिंह कटोच, रेंज अधिकारी सुमित कुमार और कुशल पशुपालकों की एक समर्पित टीम जम्बू चिड़ियाघर में उनके स्थानांतरण और अनुकूलन की देखरेख कर रही है। स्थापित पशु कल्याण प्रोटोकॉल के अनुसार, संगरोध के सफल समापन के बाद भेड़ियों को सार्वजनिक प्रदर्शनियों में पेश किया जाएगा।

भारतीय ग्रे भेड़िये, जो अपनी तेज बुद्धि के लिए जाने जाते हैं, छोटे पारिवारिक समूहों में रहते हैं, अक्सर एक–दूसरे के साथ मिलकर जोड़े बनाते हैं। वे चीख़, शरीर की मुद्रा और गंध के निशान के ज़रिए संवाद कर सकते हैं। वे आमतौर पर जोड़े या छोटे समूहों में शिकार करते हैं। यह प्रजाति वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची ᴵ के अंतर्गत सूचीबद्ध है।

जम्बू चिड़ियाघर की समृद्ध जैव विविधता में इन भेड़ियों के शामिल होने से वन्यजीव संरक्षण में सार्वजनिक शिक्षा, जागरूकता और रुचि में काफी वृद्धि होगी।

पंजाब के यूट्यूबर के घर पर ग्रेनेड हमला, मुख्य आरोपी को प्रशिक्षण देने के आरोप में सेना का जवान गिरफ्तार

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने गुरुवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर में तैनात एक सेना के जवान को पिछले महीने जालंधर स्थित एक यूट्यूबर के आवास पर ग्रेनेड फेंकने वाले व्यक्ति को ऑनलाइन प्रशिक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जालंधर की एक अदालत ने जवान सुखचरण सिंह को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। मुख्य आरोपी हार्दिक कंबोज ने 15 और 16 मार्च की रात को यूट्यूबर रोजर संधू के घर पर हथगोला फेंका था। हालांकि, ग्रेनेड नहीं फटा।

अमरनाथ यात्रा : पंजीकरण के लिए बैंक शाखाओं में श्रद्धालुओं की कतारें लगी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : आगामी वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण मंगलवार को शुरू हो गया। उत्साही तीर्थयात्री यहां निर्धारित बैंक शाखाओं के बाहर कतार में खड़े नजर आए। उन्हें उम्मीद है कि उन्हें इस पवित्र तीर्थस्थल पर जाने वाले पहले जत्थे का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

38 दिवसीय तीर्थयात्रा 3 जुलाई को दो मार्गों से शुरू होने वाली है – दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा लेकिन छोटा बालटाल मार्ग।

यात्रा 9 अगस्त को रक्षा बंधन के त्योहार के साथ समाप्त होगी। वार्षिक तीर्थयात्रा का प्रबंधन करने वाले श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने तीर्थयात्रियों के अग्रिम पंजीकरण के लिए देश भर में कुल 540 बैंक शाखाओं को नामित किया है, इसके अलावा इसकी वेबसाइट पर पंजीकरण की ऑनलाइन सुविधा भी सोमवार से शुरू हो गई है।

बोर्ड के अनुसार, 13 वर्ष से कम या 75 वर्ष से अधिक आयु के किसी भी व्यक्ति और छह सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को तीर्थयात्रा के लिए पंजीकृत नहीं किया जाएगा। पंजाब नेशनल बैंक, रेहारी शाखा के एक अधिकारी ने कहा, "अग्रिम यात्रा पंजीकरण आज सुबह शुरू हुआ और इच्छुक श्रद्धालु , पुरुष और महिलाएं, वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए जल्दी पहुंचे अग्रिम पंजीकरण की शुरुआत पर खुशी व्यक्त करते हुए स्थानीय निवासी अजय मेहरा ने कहा कि वे इस दिन का इंतजार कर रहे थे ताकि वे प्राकृतिक रूप से बने बर्फ के शिवलिंग वाले मंदिर में सबसे पहले जा सकें।

उन्होंने कहा, "यह इस साल मेरी सातवीं यात्रा है और मैं पंजीकरण के लिए यहां आकर खुश हूं।" उन्होंने श्रद्धालुओं से 'बाबा बर्फानी के दर्शन' के लिए आने को कहा क्योंकि "वहां आपको जो खुशी मिलेगी वह कहीं और नहीं मिल सकती।"

श्रद्धालुओं द्वारा 'भम भम बोले' के नारों के बीच उन्होंने कहा कि मंदिर में आने के अनुभव को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। कतार में इंतजार कर रहे एक अन्य तीर्थयात्री शाम लाल डोगरा ने कहा कि यह इस साल मंदिर की उनकी 45वीं यात्रा होगी, जबकि कई महिलाओं ने कहा कि वे पहली बार मंदिर आ रही हैं और अपनी प्रार्थना पूरी होने को लेकर उत्साहित हैं।

आशा देवी ने कहा, "मैंने कई सालों तक इंतजार किया और इस बार मंदिर जाने का मेरा सपना पूरा होगा।" कॉलेज की छात्रा अतिका छने कहा कि उसके माता–पिता सहित लगभग सभी परिवार के सदस्य अमरनाथ मंदिर जा चुके हैं और ष्इस बार वहां मत्था टेकने की बारी मेरी है।ष् कुसुम गुप्ता (50) ने कहा कि वह बस वहां जाना चाहती थी और प्रार्थना करना चाहती थी। वह छह सदस्यों वाले परिवार के समूह का हिस्सा है और उन्होंने अपनी पहली यात्रा पूरी करने के लिए बालटाल मार्ग चुना है। पिछले साल, 5.12 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने मंदिर का दौरा किया था जो पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक था।

आईओसीएल ने लद्दाख के लिए अग्रिम शीतकालीन भंडारण शुरू किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : सुदूर और पहाड़ी क्षेत्रों में निर्बाध ईंधन आपूर्ति के लिए अपनी प्रतिबद्धता में, आज इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने लद्दाख क्षेत्र के लिए औपचारिक रूप से अपना अग्रिम शीतकाल. ीन भंडारण (एडब्ल्यूएस) कार्यक्रम शुरू किया है।

इस महत्वपूर्ण रसद प्रयास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लद्दाख में तैनात नागरिकों और सशस्त्र बलों दोनों को कठोर सर्दियों के मौसम में पेट्रोलियम उत्पादों तक विश्वसनीय पहुंच मिले। मौसम की स्थिति के आधार पर अक्टूबर–नवंबर तक अग्रिम शीतकालीन भंडारण जारी रहेगा। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि जम्मू और कश्मीर के टैंकरों के साथ 100 से अधिक ड्राइवरों ने भी आईओसीएल के जालंधर डिपो से इसी तरह का अभ्यास शुरू किया और एडब्ल्यूएस के हिस्से के रूप में लद्दाख की ओर बढ़े।

ऑल जम्मू एंड कश्मीर ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार करण सिंह वजीर और एक प्रसिद्ध ट्रांसपोर्टर अनन शर्मा की उपस्थिति में जम्मू में आईओसीएल डिपो में ईंधन टैंकरों के काफिले को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई गई।

अन्य प्रमुख उपस्थित लोगों में वरिष्ठ डिपो प्रबंधक शांतनु शर्मा, निवर्तमान वरिष्ठ डिपो प्रबंधक एलएन मोहंती, जम्मू–कश्मीर उपभोक्ता बिक्री प्रभारी खालिद मलिक और जम्मू–कश्मीर तेल टैंकर चालक और क्लीनर संघ के अध्यक्ष सरदार रंजीत सिंह शामिल थे।

हर साल, मौसम की स्थिति के अधीन, यह अग्रिम शीतक. ालीन भंडारण अप्रैल या मई में किया जाता है। एडब्ल्यूएस की आवश्यकता इस तथ्य से उत्पन्न होती है कि चरम सर्दियों के मौसम के दौरान, भारी बर्फबारी के कारण लद्दाख को जोड़ने वाली प्रमुख सड़कें और पर्वतीय दर्रे बंद हो जाते हैं।

सरदार करण सिंह वजीर ने ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की उनकी प्रतिबद्धता में आईओसीएल और तेल टैंकरों के ड्राइवरों की सराहना की।

सामाजिक कार्यकर्ता एस. हरसिस सिंह ने सड़क पर सभी समस्याओं को चुनौती देते हुए लद्दाख क्षेत्र में ईंधन उत्पादों को ले जाने में ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सुरिंदर सिंह बिट्टू, चमन लाल और अन्य सहित अन्य ट्रांसपोर्टर भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

सस्ते खाद्य पदार्थों के कारण थोक मुद्रास्फीति मार्च में घटकर 6 महीने के निचले स्तर 2.05 प्रतिशत पर आ गई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सब्जियों, आलू और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी आने से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति मार्च में घटकर 2.05 प्रतिशत रह गई जो छह महीने का निम्नतम स्तर है।

फरवरी में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 2.38 प्रतिशत थी। पिछले साल मार्च में यह 0.26 प्रतिशत थी।

उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ष्मार्च 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, खाद्य पदार्थों, बिजली और कपड़ा निर्माण आदि की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण है।

पिछले साल सितंबर में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 1.91 प्रतिशत थी – जो मार्च में दर्ज 2.05 प्रतिशत से कम थी।

डब्ल्यूपीआई आंकड़ों के अनुसार, मार्च में खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में 3.38 प्रतिशत से घटकर 1.57 प्रतिशत हो गई, जिसमें सब्जियों में भारी गिरावट देखी गई। फरवरी में 5.80 प्रतिशत की तुलना में महीने के दौरान सब्जियों में अपस्फीति 15.88 प्रतिशत रही।

आलू की मुद्रास्फीति, जो फरवरी 2024 से दो. हरे अंकों में बढ़ रही थी, मार्च 2025 में गिर गई प्याज में मुद्रास्फीति फरवरी में 48.05 प्रतिशत के मुकाबले मार्च में घटकर 26.65 प्रतिशत हो गई। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों में फरवरी के 2.86 प्रतिशत की तुलना में मार्च में 3.07 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

ईंधन और बिजली में भी फरवरी में 0.71 प्रतिशत की अपस्फीति के मुकाबले मार्च में 0.20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर पारस जसराय ने कहा कि वित्त वर्ष 25 के लिए थोक मुद्रास्फीति औसतन 2.3 प्रतिशत रही, जो पिछले साल (–0.7 प्रतिशत) से अधिक है, लेकिन वित्त वर्ष 22–23 में 11.2 प्रतिशत से काफी कम है। जसराय ने कहा, "कम वस्तुओं की कीमतों का सकारात्मक प्रभाव निकट भविष्य में कम थोक मुद्रास्फीति के माध्यम से महसूस किया जाएगा। इसके अलावा, रबी उत्पादन के संतोषजनक समापन से खाद्य मुद्रास्फीति आरामदायक हो जाएगी। कुल मिलाकर, आईएनडीएंडआर को उम्मीद है कि निकट भविष्य में थोक मुद्रास्फीति 1.5 प्रतिशत के आसपास रहेगी।"

बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री सोनल बधान ने कहा, ष्आगे चलकर, जैसे–जैसे व्यापार युद्ध और गहराता जाएगा, वैश्विक विकास की संभावनाएं कमजोर बनी रहेंगी। इससे तेल और अन्य कमोडिटी की कीमतों पर दबाव बढ़ेगा, जो बदले में थोक मुद्रास्फीति के लिए सकारात्मक होगा। मौद्रिक नीति तैयार करते समय आरबीआई मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है।

पिछले हफ्ते आरबीआई ने बेंचमार्क नीति दर में 0.25 फीसदी की कटौती करके इसे 6 फीसदी कर दिया। अमेरिकी पारस्परिक शुल्कों के खतरे का सामना कर रही अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए यह साल के दौरान दूसरी कटौती है। आरबीआई को चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 4 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पिछले अनुमान में यह 4.2 फीसदी था।

एक हीटवेव से लगातार दो बार गर्मी पड़ सकती है : अध्ययन

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : एक नए अध्ययन में कहा गया है कि एक गर्म लहर पर्यावरण में अगली गर्म लहर के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा कर सकती है, जिससे लगातार दो गर्म लहरों की संभावना बढ़ सकती है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे और जर्मनी के जोहान्स गुटेनबर्ग–यूनिवर्सिटी मेंज के शोधकर्ताओं की एक टीम ने इस बात का अध्ययन किया कि मार्च और अप्रैल 2022 के दौरान दक्षिण एशिया में एक के बाद एक अत्यधिक गर्मी की घटनाएं क्यों हुईं। भारत और पाकिस्तान समेत पूरे क्षेत्र में तापमान साल के उस समय के लिए असाधारण स्तर पर पहुंच गया, जो लगातार औसत से 3–8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। गर्म मौसम का यह लंबा दौर मई में भी जारी रहा। शोधकर्ताओं ने कहा कि जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्चरू एटमॉस्फियर में प्रकाशित अध्ययन के निष्कर्षों ने एक "चिंताजनक पैटर्न" भी दिखाया, जिसके अनुसार आने वाली गर्म लहर अधिक तीव्र होती है। उन्होंने कहा कि पहली हीटवेव की अत्यधिक गर्मी मिट्टी से नमी को हटा देती है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में मिनी बस दुर्घटना में दस घायल

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : राजौरी के मंजाकोट के गमबीर मुगलान इलाके में मंगलवार को एक मिनी बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम दस लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि जेके02क्यू2158 रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक मिनी बस का नियंत्रण खो गया, जिसके कारण वह गमबीर मुगलान इलाके में पलट गई।

स्थानीय लोगों के साथ पुलिस जल्द ही दुर्घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

इस घटना में दस लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

एडवोकेट पूर्णिमा ने एनसी सरकार से जम्मू में प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता देने को कहा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जम्मू और कश्मीर के लिए भाजपा प्रवक्ता और जम्मू की पूर्व उप महापौर एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा ने मंगलवार को प्रशासन से जम्मू में चल रही पर्यटन अवसं. रचना परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के बारे में केवल बयानबाजी पर्याप्त नहीं होगी, जब तक कि जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक और समय पर पूरा नहीं किया जाता।

जम्मू में पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा और जम्मू और कश्मीर भाजपा की प्रवक्ता रजनी सेठी ने इस बात पर जोर दिया कि तथाकथित सत्तारूढ़ सरकार अक्सर जम्मू और कश्मीर में धार्मिक और विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने की बात करती है, लेकिन जम्मू क्षेत्र में कई प्रमुख परियोजनाओं पर प्रगति की गंभीर कमी रही है। उन्होंने कहा, ष्सरकार को पर्यटन से संबंधित प्रमुख कार्यों में देरी और ठहराव पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए, खासकर वे जो पुराने शहर और जम्मू की बड़ी आबादी के लिए महत्वपूर्ण हैं।ष् उन्होंने मुबा. रक मंडी हेरिटेज कॉम्प्लेक्स, जो एक महत्वपूर्ण श्ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है, पर विशेष रूप से प्रकाश डाला और परिसर के साथ-साथ इसके परिसर में स्थित पार्क के शीघ्र जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की मांग की। उन्होंने कहा, ष्यह विरासत स्थल शानदार डोगरा विरासत को दर्शाता है और इसका जीर्णोद्धार न केवल पर्यटन के लिए है, बल्कि जम्मू की पहचान को संरक्षित करने के लिए भी है। उन्होंने सरकार से इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की।

एडवोकेट पूर्णिमा ने रिवर तवी फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसके तट पर हाल ही में ऐतिहासिक तवी आरती का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें जम्मू के शहरी और पर्यटन परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ष्ऐतिहासिक नदी तवी जम्मू की जीवन रेखा है और तवी फ्रंट का विकास जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए।ष् उन्होंने परियोजना को पुनर्जीवित करने और इसमें तेजी लाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का आह्वान किया।

जम्मू में पहली बार शुरू की गई गंडोला (रोपवे) परियोजना की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रचार और सहायक बुनियादी ढांचे की कमी के कारण यह स्थानीय लोगों का उत्साह आकर्षित करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, ष्इसे एक सफल पर्यटक आकर्षण बनाने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने की सख्त जरूरत है। एडवोकेट पूर्णिमा ने सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार से जम्मू स्थित सभी पर्यटन परियोजनाओं को पूरा करने के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता दिखाने को कहा, ताकि जम्मू को वास्तव में एक जीवंत धार्मिक और विरासत पर्यटन केंद्र में बदला जा सके।

रजनी सेठी ने अपने संबोधन में कहा कि बैसाखी के दिन ऐतिहासिक दिन था जब तवी नदी के पवित्र तट पर पहली बार सूर्यपुत्री तवी की आरती की गई। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, तवी को वासुकी नाग के पुत्र वेदनाग ने जम्मू में लाया था। इसके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के बावजूद, अतीत में किसी भी सरकार ने इस पवित्र नदी को गंगा आरती की तरह आरती के साथ सम्मानित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। प्रधानमंत्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, यह परंपरा अब शुरू हुई है, जो जम्मू के लिए एक नया अध्याय है। रजनी सेठी ने जम्मू के सभी लोगों से तवी आरती में भाग लेने और सूर्यपुत्री तवी का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया। दशकों से, लगातार सरकारों ने जम्मू के साथ अन्याय किया, हमेशा कश्मीर का पक्ष लिया। हालांकि, मोदी जी और भाजपा के नेतृत्व में, नया जम्मू कश्मीर बनाने की भावना से जम्मू और कश्मीर दोनों के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है। सेठी ने कहा कि जम्मू अब भारत का एकमात्र ऐसा शहर है, जहां आईआईटी, आईआईएम और एम्स हैं – यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। हम मोदी सरकार को जम्बू चिड़ियाघर के भव्य उपहार के लिए भी धन्यवाद देते हैं, जिसमें विविध वन्यजीवों को दिखाया गया है।

आईपीएसपुलिस बल में 90: महिलाएं जूनियर रैंक पर कार्यरत : रिपोर्ट

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पुलिस बल में महानिदेशक और पुलिस अधीक्षक जैसे वरिष्ठ पदों पर 1,000 से भी कम महिलाएं हैं, तथा पुलिस बल में 90 प्रतिशत महिलाएं कांस्टेबल के रूप में कार्यरत हैं।

टाटा ट्रस्ट द्वारा शुरू की गई और कई नागरिक समाज संगठनों और डेटा भागीदारों द्वारा समर्थित इंडिया जस्टिस रिपोर्ट (आईजेआर) 2025 ने चार क्षेत्रों – पुलिस, न्यायपालिका, जेल और कानूनी सहायता में राज्यों के प्रदर्शन को ट्रैक किया। रिपोर्ट के अनुसार, कानून प्रवर्तन में लैंगिक विविधता की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता के बावजूद, एक भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने पुलिस बल में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया है। मंगलवार को जारी आईजेआर 2025 ने न्याय प्रदान करने के मामले में कर्नाटक को 18 बड़े और मध्यम आकार के राज्यों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में स्थान दिया, जिसने 2022 से अपना स्थान बनाए रखा। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु ने कर्नाटक का अनुसरण किया, पांच दक्षिणी राज्यों ने बेहतर विविधता, बुनियादी ढांचे और क्षेत्रों में स्टाफिंग के कारण दूसरों से बेहतर प्रदर्शन किया। पुलिस में 2.4 लाख महिलाओं में से केवल 960 भारतीय पुलिस सेवा रैंक में हैं, जबकि 24,322 गैर-आईपीएस अधिकारी पदों जैसे उप अधीक्षक, निरीक्षक, या उप-निरीक्षक पर हैं। भारतीय पुलिस सेवा की अधिकृत ताकत 5,047 अधिकारी हैं। कांस्टेबलरी में 2.17 लाख महिलाएं सेवा देती हैं। 133 महिला पुलिस उपाधीक्षकों की सबसे अधिक संख्या के साथ मध्य प्रदेश चार्ट में सबसे ऊपर है। जेल में भीड़भाड़ एक और चिंता का विषय है, जिसमें राष्ट्रीय औसत अधिभोग दर 131 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में कुछ सबसे खराब उदाहरण हैं – वहां हर तीन जेलों में से एक में अपनी क्षमता के 250 प्रतिशत से अधिक कैदी हैं।

हरियाणा, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश समेत कई बड़े राज्यों में यह अनुपात 1,000रू1 से भी ज़्यादा है। छोटे राज्यों में सिक्किम ने शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, उसके बाद हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश का स्थान है। 2022 और 2025 के बीच बड़े और मध्यम आकार के राज्यों में बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा ने सबसे ज़्यादा सुधार दिखाया है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड ने भी सुधार किया है और सुधार सूचकांक में गुजरात और हरियाणा को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट में 25 राज्य मानवा. धिकार आयोगों के कामकाज का भी मूल्यांकन किया गया है और विकलांग व्यक्तियों के लिए न्याय तक पहुँच और विवाद समाधान के वैकल्पिक तरीके के रूप में मध्यस्थता पर निबंध शामिल किए गए हैं। भारत की जेलों में बंद कैदियों की संख्या 2030 तक 6.8 लाख तक पहुँचने का अनुमान है, ष्यह ने चेतावनी दी है कि जब तक प्रणालीगत सुधारों को प्राथमिकता नहीं दी जाती, न्याय प्रणाली कमज़ोर और हाशिए पर पड़े लोगों पर असंगत रूप से बोझ डालती रहेगी।

। लगभग 78 प्रतिशत पुलिस थानों में अब महिला हेल्प डेस्क हैं, 86 प्रतिशत जेल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं से लैस हैं और कानूनी सहायता पर प्रति व्यक्ति खर्च 2019 और 2023 के बीच लगभग दोगुना होकर 6. 46 रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, जिला न्यायपालिका में अनुसूचित जनजा. तियों (एसटी) और अनुसूचित जातियों (एससी) की हिस्सेदारी क्रमशः 5 प्रतिशत और 14 प्रतिशत के निम्न स्तर पर बनी हुई है।

पुंछ के कोटली कलाबन में गुज्जर और बकरवाल समुदायों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

पुंछ : गुज्जर और बकरवाल समुदायों को उनके पारंपरिक मौसमी प्रवास को संरक्षित करने में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध प्रयास में, भारतीय सेना ने हाल ही में कोटली कलाबन में डेरा पंजीकरण और चिकित्सा सहायता शिविर का आयोजन किया। यह पहल डेरों की सुरक्षित, संगठित और निर्बाध आवा. जाही सुनिश्चित करती है, क्योंकि वे पीर पंजाल रेंज के उत्तर में ऊंचे चरागाहों की अपनी वार्षिक यात्रा पर निकलते हैं।

खानाबदोश पशुपालन करने वाले गुज्जर और बकरवाल अपने पशुओं के साथ कठिन द्विवार्षिक प्रवास करते हैं। ये यात्राएँ न केवल उनके भरण-पोषण के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान का भी प्रमाण हैं।

शिविर के हिस्से के रूप में, डेरा मालिकों को पंजीकृत किया गया और उन्हें डेरा और पशुओं से संबंधित प्रमाणित डिजिटल डेटा वाले लेमिनेटेड क्यूआर कोड प्रदान किए गए। यह आधु. निक समाधान प्रवास मार्ग के साथ-साथ चौकियों पर सुचारू समन्वय और सुरक्षित सत्यापन को सक्षम बनाता है, जिससे सुरक्षा और दक्षता दोनों में सुधार होता है।

उचित दस्तावेज़ीकरण के महत्व को समझते हुए, भारतीय सेना ने माइग्रेशन परमिट के नवीनीकरण और अद्यतन को सुविधा. जनक बनाने के लिए स्थानीय नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय किया।

यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि समुदाय की पारंपरिक प्रथाओं को समकालीन शासन ढांचे के भीतर मान्यता दी जाए और उनका समर्थन किया जाए।

इसके अलावा, खानाबदोश परिवारों और उनके पशुओं की स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

सेना की मेडिकल टीमों ने चुनौतीपूर्ण यात्रा के दौरान स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयाँ और सेहत बनाए रखने के लिए बहुमूल्य सलाह दी। इस पहल का गुज्जर और बकरवाल समुदायों ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने सेना के निरंतर समर्थन के लिए गहरी सराहना व्यक्त की। ये प्रयास न केवल उनकी पारंपरिक जीवन शैली को बनाए रखते हैं बल्कि भारतीय सेना और स्थानीय लोगों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग के बंधन को भी मजबूत करते हैं।

सीबीआई ने डिजिटल गिरफ्तारी सिंडिकेट पर शिकंजा कसा, 12 स्थानों पर तलाशी के बाद 4 गिरफ्तार

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले चलाने वाले गिरोहों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 12 स्थानों पर तलाशी के बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने इसे "ऑपरेशन चक्र-वी" करार देते हुए कहा कि सीबीआई ने राजस्थान सरकार के अनुरोध पर अपने द्वारा दर्ज डिजिटल गिरफ्तारी मामले के सिलसिले में तलाशी ली, जिसम. उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और मुंबई से दो-दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

आरोप है कि गिरफ्तार आरोपियों ने 42 किस्तों में कुल 7.67 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। अधिकारियों ने कहा कि पीड़ित को विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मियों के रूप में प्रस्तुत साइबर अपराधियों ने तीन महीने से अधिक समय तक डिजिटल रूप से हिरासत में रखा। सीबीआई के

एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, "सीबीआई डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों की जांच में बहुआयामी दृष्टिकोण अपना रही है, जिसमें इस तरह के अपराधों के पीछे के बुनियादी ढांचे को खत्म करने पर विशेष जोर दिया गया है।"

उन्होंने कहा कि सीबीआई ने हाल के महीनों में डिजिटल गिरफ्तारी के कई मामले दर्ज किए हैं।

एजेंसी ने राजस्थान मामले को अपने हाथ में लेने के बाद व्यापक डेटा विश्लेषण और प्रोफाइलिंग को शामिल करते हुए गहन जांच की।

प्रवक्ता ने कहा, ष्सीबीआई ने अपराधियों की पहचान करने के लिए उन्नत जांच तकनीकों का इस्तेमाल किया। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर, सीबीआई ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और संभल, पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर, मुंबई और जयपुर में 12 स्थानों पर व्यापक तलाशी ली, जिससे इस बेहद संगठित अपराध गिरोह में शामिल चार लोगों की गिरफ्तारी हुई।ष्

उन्होंने कहा कि एजेंसी ने तलाशी के दौरान बैंक खातों का विवरण, डेबिट कार्ड, चेकबुक, जमा पर्चियां और डिजिटल डिवाइस/साक्ष्य जब्त किए।

डीजीपीसी जम्मू ने मूल नानक शाही कैलेंडर 2003 के अनुसार 326वां खालसा साजना दिवस मनाया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : खालसा पंथ का 326वां साजना दिवस पूरे जम्मू में धार्मिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया।

जम्मू में, मुख्य समारोह जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जम्मू द्वारा गुरुद्वारा गुरु नानक देव, चांद नगर जम्मू में आयोजित किया गया, जहां महिलाओं और बच्चों सहित जम्मू के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं ने मत्था टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। राज्य के भीतर और बाहर से प्रमुख सिख प्रचारकों और रागी जत्थों ने उपदेश दिए और गुरबानी कीर्तन का पाठ किया। श्री गंगा नगर के प्रचारक भाई हरविंदर सिंह जी ने खालसा साजना दिवस के महत्व और खालसा पंथ के निर्माण की परिस्थितियों पर प्रकाश डाला। भाई अमनदीप सिंह जी हजूरी रागी श्री दरबार साहिब ने शबद कीर्तन का पाठ किया। डीजीपीसी जम्मू के स्थानीय हजूरी रागी जत्थों भाई सुरजीत सिंह जी, भाई हरबंस सिंह जी चक वाले और भाई रणधीर सिंह जी ने भी इस अवसर पर शबद कीर्तन किया। इस दिन 1699 में दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह ने विश्वास को बहाल करने और धार्मिकता (धर्म) को संरक्षित करने के अपने दिव्य मिशन में सबसे प्रेरक भाषण के साथ संगत को संबोधित किया था। खालसा की स्थापना दस गुरुओं द्वारा अपने सिखों को दिए गए लगभग 230 वर्षों के प्रशिक्षण की परिणति थी। गुरु आदर्श लोगों का निर्माण करना चाहते थे जो सभी मामलों में परिपूर्ण हों, यानी भक्ति और शक्ति का संयोजन। उन्होंने अपने सिखों की छवि में दान (देग) को तलवार (तेग) के साथ जोड़ा।

एस बलविंदर सिंह उपाध्यक्ष डीजीपीसी जम्मू ने इस बात पर जोर दिया कि पांच तख्तों को दुनिया भर में सिख समुदाय के बीच सर्वोच्च अधिकार के रूप में सम्मानित किया जाता है, जो उनके महत्व में किसी भी अन्य धार्मिक या सामाजिक–राजनीतिक संगठनों से कहीं आगे हैं।

सिंह ने यह भी प्रस्ताव रखा कि जत्थेदार साहिबों की नियुक्ति के लिए पात्रता मानदंड सिख समुदाय, सेवानिवृत्त सिख न्यायाधीशों, नौकरशाहों आदि के प्रतिनिधियों की एक समिति द्वारा तैयार किया जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पूरी प्रक्रिया एसजी. पीसी अमृतसर या किसी पंथिक राजनी. तिक पार्टी जैसे किसी संगठन के प्रभाव से मुक्त रहे, जिससे इसकी सर्वोच्चता बनी रहे।

एस रणजीत सिंह टोहरा अध्यक्ष डीजीपीसी ने संगत को खालसा साजना दिवस की बधाई दी।

उन्होंने संगत से मानवता की खातिर अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले गुरु साहिब द्वारा दिखाए गए सार्वभौमिक भाईचारे, भलाई और सदाचार के मार्ग पर चलने का आह्वान किया और सरक. ारी विभागों, नागरिक प्रशासन, विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों (सिख मिशनरी कॉलेज सहित), सेवादारों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

डीजीपीसी ने नागरिक सहकारी बैंक के नवनिर्वाचित निदेशक चरणजीत सिंह रैना को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

बुड्ढा दल के जत्थेदार नरिंदरपाल सिंह की अध्यक्षता में अखाड़ा निहंग सिंहन ने पारंपरिक खालसा मार्शल आर्ट षतकाष का प्रदर्शन भी किया, जिसे संगत ने देखा और सराहा।

डीजीपीसी के सचिव सुरजीत सिंह जी ने मंच का संचालन किया और संगत को जत्थेदार अकाल तख्त सिंह साहिब ज्ञानी कुलदीप सिंह गर्गज के दौरे को रद्द करने के कारणों से अवगत कराया और जत्थेदार साहिब द्वारा भेजे गए लिखित संदेश को भी पढ़ा।

इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख व्यक्तियों में एस अवतार सिंह सदस्य, एस हरजीत सिंह, एस करण सिंह बाली सदस्य डीजीपीसी, एस जगपाल सिंह कोषाध्यक्ष डीजीपीसी जम्मू, एस करण सिंह वजीर अध्यक्ष ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन, एस रणजीत सिंह अध्यक्ष टैंकर यूनियन, एस हरसिस सिंह सेक्रेटरी टैंकर यूनियन, एस सुरिंदर सिंह वजीर एस नरिंदर सिंह खालसा अध्यक्ष शिरो. मणि अकाली दल मान, एस अजीत सिंह, एस तेजिंदर सिंह, एस परफुलत सिंह, एस शरणजीत सिंह, एस सतिंदर पाल सिंह शामिल थे।

वायुसेना ने एएन-32 कारगिल कूरियर से 41 यात्रियों को निकाला; इस सर्दी में 3,192 यात्रियों ने ली सुविधा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : भारतीय वायु सेना ने मंगलवार को एएन–32 कारगिल कूरियर में 41 यात्रियों के एक जत्थे को जम्मू–कश्मीर से लद्दाख पहुंचाया, जो इस सीजन की आखिरी उड़ान थी, एक अधिकारी ने कहा।

जोजिला में भारी बर्फबारी के कारण 434 किलोमीटर लंबे श्रीनगर–लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के बंद होने के बाद दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के बीच फंसे यात्रियों को लाने–ले जाने की सुविधा के लिए 8 फरवरी को कारगिल कूरियर सेवा शुरू की गई थी। यह सेवा जम्मू और श्रीनगर के जुड़वां राजधानी शहरों और लद्दाख के कारगिल जिले के बीच संच. ालित होती है।

अधिकारी ने कहा कि अब तक कुल 3,192 यात्रियों को एयरलिफ्ट किया गया है।

उन्होंने कहा कि जम्मू से कारगिल 1,370 यात्रियों और कारगिल से जम्मू 289 यात्रियों को एयरलिफ्ट किया गया, जबकि श्रीनगर से कारगिल 1,211 यात्रियों और कारगिल से श्रीनगर 322 यात्रियों को एयरलिफ्ट किया गया।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में केंद्र सरकार के कार्यों पर स्थगन प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता : पूर्व लोकसभा महासचिव

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 के संबंध में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर बढ़ते विवाद के बीच – जिसने लगातार तीन दिनों तक जम्मू–कश्मीर विधानसभा में व्यवधान पैदा किया – पूर्व लोकसभा महासचिव पीडीटी आचार्य।

आचारी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार के कार्यों के खिलाफ इस तरह का प्रस्ताव जम्मू–कश्मीर विधानसभा में नहीं लाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ताधारी दल के विधायक किसी भी विधायिका में स्थगन प्रस्ताव नहीं ला सकते हैं।

भारत में संसदीय मामलों के विशेषज्ञ आचारी ने कहा, ष्केंद्र सरकार के खिलाफ स्थगन प्रस्ताव केवल लोकसभा में लाया जा सकता है। इसे जम्मू–कश्मीर विधानसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक–2025 पर नहीं लाया जा सकता है।ष

नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके सहयोगियों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करने के लिए नोटिस प्रस्तुत किए थे। हालांकि, स्पीकर ने इन प्रस्तावों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मामला विचाराधीन है।

आचारी ने सत्तारूढ़ दल के जम्मू–कश्मीर विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाने के प्रयास को ष्अजीबष बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रस्ताव सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव हैं और इसे केवल विपक्ष द्वारा ही शुरू किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ष्जम्मू–कश्मीर विधानसभा में, केवल विपक्ष ही निर्वाचित सरकार के खिलाफ स्थगन प्रस्ताव ला सकता है।ष

निंदा प्रस्ताव सरकार, मंत्री या मंत्रियों के समूह की किसी विशिष्ट नीति, कार्रवाई या आचरण के प्रति अस्वीकृति की अभिव्यक्ति है। इसका उपयोग सरकार की विफलताओं को उजागर करने के लिए किया जाता है। स्थगन प्रस्ताव की उत्पत्ति यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स में हुई है।

देवन सिंह पूर्व सरपंच पाइट राठियान उधमपुर नेकां में शामिल हुए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू 15 अप्रैलरू– देवन सिंह पूर्व सरपंच पंचायत राठियान जिला उधमपुर ने उधमपुर में माननीय मंत्री जावेद अहमद राणा, जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी और जनजातीय मामलों के मंत्री और प्रांतीय अध्यक्ष जम्मू प्रांत श्री रतन लाल गुप्ता की उपस्थिति में नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए देवन सिंह का पार्टी में स्वागत करते हुए, जावेद अहमद राणा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को एक जन आंदोलन बताया जो हमेशा से जम्मू और कश्मीर के लोगों के न्यायोचित मुद्दों के लिए खड़ा रहा है और प्रतिबद्धता की भावना के साथ जम्मू और कश्मीर के विकास और प्रगति के लिए प्रयास करता रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देवन सिंह के शामिल होने से पार्टी जमीनी स्तर पर और मजबूत होगी।

श्री रतन लाल गुप्ता प्रांतीय अध्यक्ष जम्मू प्रांत ने लोगों से नेशनल कॉन्फ्रेंस का समर्थन करने का आग्रह किया, क्योंकि उनका मानना ष्है कि यह एकमात्र धर्मनिरपेक्ष पार्टी है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्जवल भविष्य के लिए जम्मू और कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है और जम्मू और कश्मीर में समान विकास, प्रगति, शांति और भाईचारे की दिशा में काम कर सकती है।

श्री देवन सिंह ने जम्मू–कश्मीर को शांतिपूर्ण और प्रगतिशील क्षेत्र बनाने के नेशनल कांफ्रेंस के मिशन को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व मंत्री और सेंट्रल जोन के अध्यक्ष बाबू रामपाल और जेकेएनसी एससी सेल के अध्यक्ष विजय लोचन ने दलित वर्गों के हितों की रक्षा में नेशनल कांफ्रेंस की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने एससी समुदाय की चिंताओं को नजरअंदाज किया, लेकिन एनसी उनके उत्थान के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

इस अवसर पर राकेश सिंह राका उपाध्यक्ष सेंट्रल जोन, रामपरषोत्तम जिला अध्यक्ष उधमपुर ग्रामीण, आकाश खरका जिला अध्यक्ष उधमपुर ग्रामीण वाईएनसी और अन्य उपस्थित थे।

नेशनल हेराल्ड केस: ईडी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने संज्ञान के बिंदु पर 9 अप्रैल को दाखिल आरोपपत्र की जांच की और मामले को आगे की कार्यवाही के लिए 25 अप्रैल को सूचीबद्ध किया। आरोपपत्र में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा और सुमन दुबे का भी नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। न्यायाधीश ने कहा, अभियोजन पक्ष की वर्तमान शिकायत पर संज्ञान के पहलू पर अगली बार 25 अप्रैल, 2025 को इस अदालत के समक्ष विचार किया जाएगा, जब ईडी और आईओ के विशेष वकील अदालत के अवलोकन के लिए केस डायरी का उत्पादन भी सुनिश्चित करेंगे।

राजौरी के कालाकोट में गुज्जर और बक्करवाल समुदायों को स्लीपिंग बैग वितरित किए गए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

राजौरी : सामाजिक कल्याण और साम. ुदायिक आउटरीच के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, भारतीय सेना ने राजौरी जिले के कालाकोट में गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के सदस्यों को स्लीपिंग बैग वितरित किए।

इस पहल का उद्देश्य इन खानाबदोश समूहों के लिए बहुत जरूरी गर्मी प्रदान करना और उनके रहने की स्थिति में सुधार करना है, खासकर सर्दियों के महीनों के दौरान कठोर मौसम का सामना करना पड़ता है।

यह वितरण समाज के सभी वर्गों, खासकर दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के कल्याण के लिए भारतीय सेना के निरंतर समर्पण का प्रतिबिंब है।

जम्मू लद्दाख विज़न

सोमवार, जम्मू, 21 अप्रैल, 2025

www.jammuladakhvision.com

सही समय आ गया है, उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल होगा : उमर

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जम्मू–कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा और इसके लिए "उचित समय आ गया है"।

वे पुलवामा जिले में एक पुल का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। अब्दुल्ला ने कहा,

"हमें लगता है कि उचित समय आ गया है, विधानसभा चुनाव के छह महीने बीत चुके हैं। (केंद्रीय गृह मंत्री अमित) शाह यहां आए थे, मैंने उनके साथ एक अलग बैठक की, जो अच्छी रही... मुझे अभी भी उम्मीद है कि जम्मू–कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा वापस मिल जाएगा।"

विपक्ष के इस आरोप पर कि सत्ता पक्ष ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर चर्चा को बाधित किया, उन्होंने कहा कि स्थगन प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जा सकता था क्योंकि विधेयक संसद द्वारा पारित किया गया था।

"अध्यक्ष ने आखिरी दिन सब कुछ स्पष्ट कर दिया था। शायद, सदस्यों की गलती यह थी कि वे स्थगन प्रस्ताव लेकर आए। स्थगन प्रस्ताव केवल जेके सरकार के कार्यों पर चर्चा करने के लिए लाया जाता है क्योंकि सरकार को जवाब देना होता है।

"मुझे बताएं कि अगर स्थगन प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया होता, तो हम कैसे जवाब देते क्योंकि वक्फ विधेयक हमारे द्वारा नहीं लाया गया था। उन्होंने कहा, ष्केंद्र ने संसद में इसे पारित किया था।ष

अब्दुल्ला ने कहा कि विधानसभा में अलग नियमों के तहत एक प्रस्ताव को स्वीकार किया जा सकता था।

ष्हालांकि, अब वह पारित हो चुका है। नेशनल कॉन्फ्रेंस सहित कई दलों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और शीर्ष अदालत के समक्ष अपने विचार रखे हैं। अब, हम देखेंगे कि सुप्रीम कोर्ट क्या कहता है।ष

पुल के उद्घाटन पर टिप्पणी करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चरार–ए–शरीफ को दक्षिण कश्मीर से जोड़ने वाले पुल को 2014 की बाढ़ में बह जाने के बाद पुनर्निर्माण में 11 साल लग गए।

ष्यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसे पुनर्निर्माण में लंबा समय लगा। यह पुल 2104 की बाढ़ में बह गया था और इसे पुनर्निर्माण में 11 साल लगे हैं। मुझे लगता है कि इस पुल को हमारे द्वारा ही खोला जाना था। यह पुल दक्षिण कश्मीर को चरार–ए–शरीफ से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उन्होंने कहा।

वक्फ अधिनियम : इल्तिजा ने कहा कि एनसी ने कश्मीरी मुसलमानों को बस के नीचे फेंक दिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस पर वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ आवाज नहीं उठाकर देश के मुसलमानों को "निराश" करने का आरा.`प लगाया।

उन्होंने कहा, ष्फारूक अब्दुल्ला को हमें बताना चाहिए कि उनकी पार्टी ने वक्फ विधेयक के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव क्यों नहीं लाया, जबकि जम्मू–कश्मीर भारत का एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ष्केवल जम्मू–कश्मीर के मुसलमान ही हमारी ओर नहीं देख रहे हैं, बल्कि देश के बाकी हिस्सों के मुसलमान भी हमारी ओर देख रहे हैं और इस सरकार, एनसी ने उन्हें बुरी तरह निराश किया है।ष

इल्तिजा एनसी अध्यक्ष की टिप्पणी का जवाब दे रही थीं, जिन्होंने सोमवार को पीडीपी पर औकाफ को राज्य वक्फ बोर्ड में बदलने का आरोप लगाया था। किसने औकाफ को राज्य वक्फ बोर्ड में बदल दिया? यह यहां रहने वाले मुसलमानों की संपत्ति थी, "अब्दुल्ला ने 2003 में पीडीपी संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान जम्मू और कश्मीर मुस्लिम औकाफ ट्रस्ट को राज्य के स्वामित्व वाले जम्मू और कश्मीर वक्फ बोर्ड में बदलने का जिक्र करते हुए कहा था।

हालांकि, इल्तिजा मुफ्ती ने वक्फ संशोधन विधेयक के बारे में "बात नहीं करने" के लिए एनसी की आलोचना की, सत्तारूढ़ पार्टी पर "सत्ता–भूखी" होने का आरोप लगाया।

"आप मुसलमानों के बारे में बात नहीं करना चाहते हैं। आप (अनुच्छेद) 370 (को हटाने) और (अनुच्छेद) 370 (को हटाने) के बाद मुसलमानों के साथ जो भी गलत हुआ

, उसे सामान्य बना रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम जानते हैं कि वक्फ मुस्लिम विरोधी है, इसे मुसलमानों को कमजोर करने के लिए लाया गया है, एनसी इसके बारे में बात भी नहीं करना चाहता क्योंकि यह सत्ता के भूखे हैं, उन्हें सत्ता और कुर्सी चाहिए।"

उन्होंने कहा, ष्इससे पहले, एनसी नीलाम की गई औकाफ संपत्तियों को अपने लोगों को दे देती थी। वे जो कह रहे हैं, वह दुष्प्रचार है, क्योंकि संशोधन उससे बहुत पहले हो चुका था और सईद ने ऐसा नहीं किया था।

ष उन्होंने पूछा, ष्अब्दुल्ला को बताना चाहिए कि उन्होंने अब क्या किया है। उनके बेटे (उमर अब्दुल्ला) 50 विधायकों के साथ मुख्यमंत्री हैं। कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु ने वक्फ के खिलाफ प्रस्ताव लाने का फैसला किया, हमारे मुख्यमंत्री क्या कर रहे थे?

हाल ही में संपन्न सत्र के आखिरी तीन दिनों में जम्मू–कश्मीर विधानसभा में हुए हंगामे का जिक्र करते हुए इल्तिजा ने कहा कि सरकार वक्फ के खिलाफ प्रस्ताव नहीं लाई, क्योंकि एनसी का भाजपा के साथ ष्समझौताष है। उन्होंने कहा, वह (उमर) ट्यूलिप गार्डन में (केंद्रीय मंत्री किरेन) रिजिजू के साथ घूम रहे थे। उनका भाजपा के साथ पहले से ही समझौता है कि वे न तो वक्फ के बारे में बात करेंगे और न ही इसके खिलाफ प्रस्ताव लाएंगे।

ष्यह कहना कि स्पीकर ने सही काम किया, क्योंकि मामला न्यायालय में विच. ाराधीन था, एक बहुत ही सुविधाजनक बहाना है। अनुच्छेद 370 भी न्यायालय में विचाराधीन है, लेकिन आप (एनसी) कहते रहते हैं कि आप इसके लिए लड़ रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि अगर एनसी विधायक स्पीकर से नाराज थे तो उन्हें उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहिए था।

उन्होंने कहा, ष्यह एक मौन सहमति है। एनसी विधायकों ने वक्फ के बारे में बात नहीं की, यह केवल हमारे विधायक थे जिन्होंने बात की। यदि आप स्पीकर से नाराज थे, तो आपने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव क्यों नहीं लाया?ष उन्होंने दावा किया, ष्एनसी उन मुद्दों पर भी बात नहीं कर रही है, जिन पर भाजपा चुप है। क्यों? क्योंकि उनके पास एक मौन सहमति है। पीडीपी नेता ने आरोप लगाया कि एनसी ने कश्मीरी मुसलमानों को ष्बस के नीचेष फेंक दिया है, और अब देश के मुसलमानों को ष्अशक्तष बनाने को भी ष्सामान्यष बना रही है।

एलजी सिन्हा ने डॉ. सूरज गुप्ते का बाल चिकित्सा शिक्षा नेटवर्क पोर्टल लॉन्च किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज बाल चिकित्सा शिक्षा नेटवर्क का ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया, जो कि प्रख्यात बाल रोग विशेषज्ञ और शिक्षाविद डॉ सूरज गुप्ते द्वारा तैयार और विकसित एक निःशुल्क डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

उपराज्यपाल ने डॉ सूरज गुप्ते और इस पहल से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी, जिसका उद्देश्य बाल चिकित्सा स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ाना और चिकित्सकों, चिकित्सा पेश. `वरों, छात्रों और संस्थानों को विश्वसनीय और अद्यतन संसाधनों से सशक्त बनाना है।

बाल चिकित्सा शिक्षा नेटवर्क एक व्यापक, उपयोगकर्ता के अनुकूल पोर्टल है जिसे बाल स्वास्थ्य के ज्ञान के लिए एक केंद्रीकृत केंद्र के रूप में काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें व्याख्यान, नैदानिक घ्दिशानिर्देश, केस स्टडी, इंटरैक्टिव मॉड्यूल और विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि सहित संसाधनों का खजाना है – सभी चिकित्सा पेशेवरों, छात्रों और संस्थानों के लिए श्निःशुल्क उपयोगश की सुविधा। पोर्टल https:@@ drsurajgupte-com/ बाल चिकित्सा शिक्षा में भौगोलिक और शैक्षणिक अंतराल को पाटने का प्रयास करता

है डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. घनश्याम सैनी, डॉ. सुनील दत्त शर्मा, डॉ. केवल समनोत्रा घ्और डॉ. गोतम गोयल; राकेश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष सीसीआई जम्मू; और सुभाष गुप्ते, शम्मा बख्शी, राजेंद्र गुप्ते और रॉबिन बख्शी – बाल चिकित्सा शिक्षा नेटवर्क फाउंडेशन के सदस्य।

प्रतिदिन 100 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण का लक्ष्य हासिल करने के लिए काम किया जा रहा है: गडकरी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि भारत के लिए बुनियादी ढांचे का विकास बहुत महत्वपूर्ण है और उनका लक्ष्य देश में राजमार्ग निर्माण की गति को बढ़ाकर 100 किलोमीटर प्रतिदिन करना है।

एआईएमए के 10वें राष्ट्रीय नेतृत्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि अगले 18 महीनों में भारत का सड़क बुनियादी ढांचा संयुक्त राज्य अमेरिका से बेहतर होगा।

उन्होंने कहा, ष्भारत के लिए बुनियादी ढांचे का विकास बहुत महत्वपूर्ण है... मैं देश में राजमार्ग निर्माण की गति को बढ़ाकर 100 किलोमीटर प्रतिदिन करने के लिए काम कर रहा हूं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि राजमार्ग मंत्रालय आने वाले वर्षों में 25,000 किलोमीटर दो और चार लेन वाले राजमार्गों का निर्माण करेगा।

गडकरी ने कहा, ष्राजमार्ग परियोजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है।ष

देश में राजमार्ग निर्माण की गति 2020–21 में 37 किलोमीटर प्रतिदिन के रिकॉर्ड को छू गई।

राजमार्ग मंत्रालय ने 2019–20 में 10,237 किलोमीटर, 2020–21 में 13,435 किलोमीटर, 2021–22 में 10,457 किलोमीटर, 2022–23 में 10,331 किलोमीटर और 2023–24 में 12,349 किलोमीटर राजमार्ग बनाए हैं।

मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली को बदलने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम कर रही है।

स्वामित्व, प्रकाशक एवम् मुद्रक संजीव कुमार मनमोत्रा द्वारा जन संपर्क प्रिंटिंग प्रेस सिधरा, जम्मू से मुद्रित करवाकर तथा अटल विहार हेरिटेज स्कूल सैनिक कॉलोनी जम्मू से प्रकाशित किया गया संपादक : संजीव कुमार मनमोत्रा, मोबाइल न : 9419141189, ईमेल : editorjammuladakhvision1@gmail.com